शुक्रवार
17 फरवरी, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज



भोजपुर में विवाहिता का ससुराल में मिला शव, गला घोंट हत्या का आरोप 2

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

खबरें फटाफट

जम्मू में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

कुपवाड़ा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। जानकारी के मुताबिक इस ऑपरेशन में दो अन्य आतंकी घायल भी हुए हैं। मारे गए आतंकी के पास से एक एके-47 राइफल, एक स्वचालित हथियार, 6 मैगजीन, 2 ग्रेनेड व अन्य सामग्री बरामद की है।

राहुल को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से न्योता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी ने भारत-चीन संबंध, डाटा और लोकतंत्र पर बोलने के लिए अपने यहां आमंत्रित किया है। इस संबंध में राहुल गांधी ने ट्वीट किया, कि वो अपने अल्मा मेटर (पुराने संस्थान) कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी जाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वो जिओ पॉलिटिक्स, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, बिग डाटा और लोकतंत्र पर अपने विचार रखेंगे।

पटना में दो नाव पलटीं, एक लापता

पटना। पटना जिले के मनेर के गंगा नदी में दो नाव आपस में टकराकर पलट गईं। इनमें 15 लोग सवार थे। इनमें से अधिकतर ने तैरकर अपनी जान बचा ली। मगर एक शख्स अब भी लापता है। एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। लापता शख्स की तलाश की जा रही है। मनेर के सीओ दिनेश सिंह ने बताया कि यह हादसा चौरासी घाट पर हुआ। टकराने वाली दो में से एक नाव बालू से लदी हुई थी

नालंदा में सात कौओं की मौत से हड़कंप

नालंदा। नालंदा के सिलावडीह में एक साथ अचानक 7 कौओं की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। इलाके के लोग बर्ड फ्लू की आशंका जता रहे हैं। मामले की सूचना पशुपालन विभाग को दी गयी। एक के बाद एक कौओं की मौत का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार सुबह अचानक सिलावडीह गांव के पास एक साथ सात कौओं को मरा देखा गया। इसके अलावे आस-पास के इलाके में भी मृत अवस्था में एक-दो कौवे पाए जाने के बाद इलाके के लोग परेशान हैं और बर्ड फ्लू की आशंका जता रहे हैं।

पटना में अतिक्रमण हटाने को लेकर बवाल, दुकानदार ने खुद को लगाई आग

केटी न्यूज/पटना

- गुलजारबाग स्टेशन के मेहंदीगंज रेलवे गुमटी के पास की घटना
- दुकानदार बोले- रेलवे के पास ऐसा कोई आदेश नहीं है कि वह दर्जनों दुकानों को तोड़े
- लोगों ने जब रेलवे से कार्रवाई की आदेश की प्रति मांगी तो रेलवे पुलिस ने दिखाने से इनकार कर दिया

पटना के गुलजारबाग रेलवे स्टेशन के मेहंदीगंज रेलवे गुमटी के पास गुरुवार की दोपहर उस समय बवाल हो गया, जब अतिक्रमण हटाने को लेकर रेलवे पुलिस और पब्लिक आमने सामने हो गई। पुलिस द्वारा लोगों को बलपूर्वक हटाए जाने के बाद विरोध और बढ़ गया। इसी बीच वहां के एक हार्डवेयर दुकानदार ने खुद को आग लगा लिया। हालांकि कुछ देर में ही लोगों ने आग को बुझा दिया। इसके बाद दुकानदारों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। देखते ही देखते लोग उग्र हो गए और उन्होंने पुलिस टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। लोगों का उग्र रूप देख पुलिस टीम वहां से भाग खड़ी हुई। इस दौरान लोगों ने जेसीबी मशीन पर पथराव भी किया। जानकारी के अनुसार दर्जनों दुकान को हटाने के लिए रेल पुलिस के जवान जेसीबी मशीन लेकर तोड़ने पहुंचे थे। लेकिन वहां मौजूद दुकानदारों ने साफ तौर पर कहा कि यहां बरसों से हम लोग रहते आ रहे हैं और यह



हमारी जमीन है। जिसे रेलवे जबरन तोड़ना चाह रही है। हालांकि इसी फरवरी महीने में न्यायालय में सुनवाई होने वाली थी। लेकिन उससे पहले ही रेलवे पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही को लेकर पुलिस और पब्लिक आमने-सामने हो गई। पुलिस ने जब बल प्रयोग करना शुरू किया। इसी बीच एक दुकानदार ने खुद को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद आक्रोशित लोग भड़क उठे और उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया। साथ ही जेसीबी मशीन में तोड़फोड़ की। जिसके बाद पुलिस भाग खड़ी हुई।

हालांकि पीड़ित के परिजनों का आरोप है कि रेल पुलिस ने ही आग लगा दी है जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। दुकानदारों का कहना है कि रेलवे के पास ऐसा कोई आदेश नहीं है कि दर्जनों दुकानों को तोड़े। हालांकि लोगों के द्वारा रेलवे से कार्रवाई की आदेश की प्रति मांगी गई तो रेलवे पुलिस ने दिखाने से साफ इनकार कर दिया। फिलहाल माहौल अभी भी गर्म है। इस घटना के बाद मेहंदगीगंज, आलमगंज, अगमकुआं समेत कई थानों की पुलिस घटना स्थल पहुंची। घटना स्थल पर तनाव बरकरार है।

1932 से पहले से रह रहे, जान देंगे पर जमीन नहीं देंगे: मेहंदीगंज गुमटी से पश्चिम में रेलवे लाइन किनारे दर्जनभर पक्का निर्माण है। इसमें मकान, हार्डवेयर दुकान, चाय नाश्ता का होटल व अन्य दुकानें खुली हैं। आंदोलन कर रहे महिला-पुरुष ने कहा कि उनके पूर्वज 1932 से पहले से यहां रहते आ रहे हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा नौ फरवरी को नोटिस दिया गया था। नोटिस की अवधि समाप्त होते ही गुरुवार को टीम अतिक्रमण हटाने पहुंच गयी। प्रभावित लोगों का कहना था कि मामला न्यायालय में लंबित है। 24 फरवरी को सुनवाई होनी है। अधिकारी से दो दिन की मोहलत मांग रहे थे। आग से झुलसे दुकानदार अनिल कुमार व अन्य लोगों के स्वजन एक ही बात कह रहे थे कि राजनीतिक षड्यंत्र रच कर पूरी कार्रवाई की गयी है।

समाधान यात्रा: मुख्यमंत्री ने बेगूसराय जिले में विकास कार्यों का लिया जायजा

26 योजनाओं का उद्घाटन, 29 योजनाओं का किया शिलान्यास

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को समाधान यात्रा के क्रम में बेगूसराय जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों से संबंधित योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर एकीकृत उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने 31.78 करोड़ रुपये की लागत वाली 26 योजनाओं का उद्घाटन एवं 66.14 करोड़ रुपये की लागत वाली 29 योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने बेगूसराय सदर प्रखंड में प्रखंड सह अंचल कार्यालय-सह-आवासीय भवन एवं निरीक्षण कमरे के भवन निर्माण कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने बेगूसराय जिलान्तर्गत बेगूसराय सदर प्रखंड की पंचायत चिलमिल स्थित ग्राम कंकौल का भ्रमण कर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कराए गए विकास कार्यों का जायजा लिया। भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके यथाशीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति एवं नियमित पठन-पाठन देखने का काम जीविका दीदियों को दिया गया है और इस संबंध में किसी विद्यालय में शिकायत मिलने पर जब जीविका दीदी इसकी शिकायत करें तो जिलाधिकारी इसे गंभीरता से लेते हुए अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन जरूरतमंद लोगों को इंदिरा आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें चिह्नित कर राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ दें। मुख्यमंत्री ने सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थियों को निवेश निधि के तहत देय राशि से संबंधित सांकेतिक चेक प्रदान किया। उन्होंने अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना एवं मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक चेक प्रदान किया ।



हर पंचायत में राज्य सरकार खोलेगी प्लस टू स्कूल

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर घर नल का जल योजना को मेंटेन रखें। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ छात्रों को अविलंब मिले, इसका ध्यान रखें। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ लोगों को ससमय प्रदान करें। उच्चतर शिक्षा हेतु इंटरमीडिएट और स्नातक उत्तीर्ण छात्राओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान ससमय कराएं। इसके लिए जितने आवेदन लंबित हैं उनका त्वरित निष्पादन कर प्रोत्साहन योजना के तहत निर्धारित राशि का भुगतान करवाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अनुमंडल छूटे हुए हैं उन्हें चिह्नित कर वहां डिग्री कॉलेज खोलने की दिशा में कार्य सुनिश्चित करें। इससे छात्र-छात्राओं को उच्चतर शिक्षा हासिल करने में सहूलियत होगी। हमलोगों ने हर पंचायत में प्लस टू विद्यालय खोलने का निर्णय लिया है। जिन डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद हो चुकी है, वहां इंटर की पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित हो, इस दिशा में भी पहल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात आने के पूर्व बाढ़ से बचाव के लिए बांधों का सुदृढ़ीकरण एवं हर आवश्यक काम पूर्ण कराएं।

बरौनी रिफाइनरी के पास होगी डेडीकेटेड पार्किंग की व्यवस्था

बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बरौनी रिफाइनरी के कारण सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से टैंकर्स लगे रहते हैं। इससे आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हुआ करती हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसके लिए स्थल चिह्नित कर यथाशीघ्र डेडीकेटेड पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

समाधान यात्रा का समापन, सीएम बोले- काफी अच्छी रही यात्रा: समाधान यात्रा को मिली सफलता के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 जनवरी से हमने समाधान यात्रा की शुरूआत की थी। आज समाधान यात्रा का समापन हो रहा है। यह यात्रा काफी अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जहां जो काम चल रहा है उसे पूरा करना है। इसके साथ ही अगर कहीं कुछ और करने की जरुरत है तो उसको आइडेंटिफाइ कर उसे भी पूर्ण करें। इसको लेकर अगर कोई नीति बनानी होगी तो हमलोग बनायेंगे। यही हमारी यात्रा का उद्देश्य है। कोई काम बाकी नहीं रहेगा, सभी को पूरा करायेंगे।

कैबिनेट विस्तार की कोई जल्दी नहीं : नीतीश

पटना। नीतीश कैबिनेट का विस्तार होगा या नहीं, इसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की मौजूदगी में क्लियर कर दिया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट विस्तार की कोई जल्दी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना इस बार मंत्री बने हैं उतना तो शायद ही कभी रहा हो। उन्होंने कहा कि जब इच्छा होगी तब मंत्रिमंडल का विस्तार हो जावेगा। कोई खास बात नहीं है। वहीं तेजस्वी यादव ने भी यह साफ कर दिया है कि वह कांग्रेस के दो मंत्री पद की मांग को नहीं मानेंगे। पिता लालू प्रसाद से मिलकर पटना पहुंचे तेजस्वी यादव ने गुरूवार को कांग्रेस को जवाब देते हुए कहा कि जब बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो उसी समय यह तय कर लिया गया था कि कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस को एक मंत्री दिया जाएगा। इसकी बकायदा उस समय घोषणा की गई थी।

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 81% मतदान, दो को नतीजे

केटी न्यूज/छपरा

त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच राज्य के 3,337 मतदान केंद्रों पर मतदान हुआ। त्रिपुरा चुनाव में कुल 259 उम्मीदवार मैदान में थे। इस दौरान कुल 81 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं दो मार्च को चुनाव के नतीजे आएंगे। राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव कराने के लिए 31,000 मतदानकर्मी और केंद्रीय बलों के 25,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किये गए थे। इसके अलावा, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सशस्त्र पुलिस और राज्य पुलिस के 31,000 कर्मचारियों को तैनात किया गया था। एक-दो जगह छिटपुट घटना को छोड़ मतदान शांतिप्रिय रहा।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने अगरतला में वोट डाला। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण मतदान चाहते हैं। लोग मुझसे पूछते हैं कि मेरे सामने क्या चुनौती है? चुनौती यह है कि अपवित्र गठबंधन में एक साथ आए प्रतिद्वंद्वियों (कांग्रेस-वाम) को शांति बनाए रखनी चाहिए। उन्हें विश्वास है कि बीजेपी यहां जरूर सरकार बनाएगी। बीजेपी 55 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है, जबकि उसकी सहयोगी आईपीएफटी ने छह सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि एक सीट पर दोस्ताना मुकाबला होगा। वाम मोर्चा 47 सीट पर चुनाव लड़ रहा है और कांग्रेस 13 सीट पर चुनाव लड़ रही है। तृणमूल कांग्रेस ने 28 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं और 58 निर्दलीय उम्मीदवार भी हैं।



जम्मू में आयोजित शिवरात्रि महोत्सव में एलजी मनोज सिन्हा ने किया ऐलान

श्रीनगर में पंथा चौक पर बनेगी बाबा अमरनाथ की प्रतिकृति

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर प्रशासन कश्मीर घाटी के श्रीनगर में पंथा चौक पर जल्द ही बाबा अमरनाथ की रिप्लिका यानी प्रतिकृति बनाएगा, जो यहां पहुंच रहे पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन पहलगाम से बाबा बफार्नी की गुफा तक चार धाम की तर्ज पर सड़क बनाने की कवायद में भी जुट गया है। जम्मू में कश्मीरी पंडितों के सबसे बड़े त्योहार शिवरात्रि के मौके पर प्रशासन की तरफ से आयोजित शिवरात्रि महोत्सव में भाग लेने पहुंचे एलजी मनोज सिन्हा ने यह बड़ा ऐलान किया। मनोज सिन्हा ने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में अमरनाथ की यात्रा शुरू होने वाली है, ऐसे में बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीनगर के पंथा चौक में बाबा अमरनाथ श्राइन बोर्ड का एक दफ्तर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी दफ्तर में बाबा अमरनाथ बफार्नी की एक रिप्लिका बनाई जाएगी, जो साल भर के लिए यहां पहुंच रहे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगी।



इस मौके पर मनोज सिन्हा ने कहा कि कश्मीर घाटी में टारगेटेड किलिंग के बाद वहां से भाग कर आए सरकारी कर्मचारियों के पुनर्वास के लिए घाटी के विभिन्न इलाकों में ट्रांजिट अकोमोडेशन पर काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस टारगेटेड किलिंग के बाद जिन भी सरकारी कर्मचारियों ने कश्मीर घाटी में नौकरी वापस ज्वाइन कर ली है उनको वेतन दे दिया गया है। वहीं इस महोत्सव में शामिल कश्मीरी पंडितों का दावा है कि सरकार का यह कदम सराहनीय है लेकिन सरकार को उन कर्मचारियों के बारे में भी सोचना चाहिए जो कश्मीर घाटी में डर और खौफ के चलते वहां नहीं जा रहे और जिनकी सैलरी अभी तक सरकार ने नहीं दी है।

पहलगाम से बाबा बफार्नी की गुफा तक बनेगी सड़क

मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रदेश प्रशासन पहलगाम से बाबा बफार्नी की गुफा तक चार धाम की तर्ज पर सड़क बनाने पर विचार कर रहा है। इसकी स्वीकृति इस साल मिलने की संभावना है। मनोज सिन्हा ने कहा कि स्वीकृति मिलने के बाद 4 से 5 सालों के बीच इस सड़क का काम पूरा किया जाएगा। मनोज सिन्हा ने उम्मीद जताई कि घाटी से 3 दशकों से अधिक समय से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडित अब जल्द ही वापस अपने घर जा सकेंगे।

खबरें फटाफट

सड़क हादसे में युवक की मौत

सासाराम। जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में बुधवार रात सड़क दुर्घटना में चैकीदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान ललन सिंह (55) के रूप हुई है। वह संझौली थाना में चौकीदार था। जानकारी के अनुसार, ललन सिंह एक नोटिस को तामिला करा कर लौट रहे थे। इस क्रम में बिक्रमगंज-दिनारा रोड पर उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इससे सिर पर गंभीर चोट लगी। बुधवार देर रात बिक्रमगंज थाना को दुर्घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे बिक्रमगंज थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में किया और उसकी पहचान संझौली थाना के चौकीदार के रूप में की गई। इसकी सूचना संझौली थाना को दी गई। मृतक चौकीदार काम खत्म कर अपने गांव सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के नोनहर लौट रहा थाइसी क्रम में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव को गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

आज जारी होगी सेमेस्टर वन की चौथी मेरिट लिस्ट

आरा। वीकेएसयू में पीजी सेमेस्टर वन के सत्र 2021झ्23 में नामांकन को लेकर थर्ड मेरिट लिस्ट जारी करने के बाद अब विवी चौथी मेरिट लिस्ट 18 फरवरी दिन शुक्रवार को जारी करेगा। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रोफेसर रणविजय ने बताया कि पीजी नामांकन का कार्य जल्द पूरा करने को लेकर चौथी मेरिट लिस्ट शुरक्रवार को जारी करेगा। सत्र में नामांकन लेने वाले विद्यार्थी वीवी के साईट पर जाकर अपना मेरिट सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते है। सत्र विलंब से चलने के कारण ऑनलाइन नामांकन लेने के बाद कागजात का सत्यापन कराने से वंचित विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी ने एक मौका और दिया है।

फाइलेरिया के रोगियों को अपने पांव का अधिक ख्याल रखना चाहिएः डॉ. रंजीत

केटी न्यूज/आरा

- तरारी में एमएमडीपी क्लिनिक का शुभारंभ, हाथी पांव के रोगियों को दी गयी किट
- पैरों की नियिमत सफाई और एक्सरसाइज की दी गई जानकारी

जिला स्वास्थ्य समिति जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर प्रतिबद्ध है। इसको लेकर समुदाय स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के सभी प्रखंडों के पीएचसी और सीएचसी में एमएमडीपी क्लिनिक खोले जा रहे हैं। जहां पर फाइलेरिया के हाथी पांव रोग को लेकर मार्बिडीटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रीवेंशन (एमएमडीपी) की जानकारी दी जाएगी। इस क्रम में भोजपुर जिले के तरारी प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एमएमडीपी क्लिनिक का शुभारंभ के साथ क्षेत्र के हाथी पांव से ग्रसित रोगियों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया गया। मरीजों के बीच रोग नियंत्रण और घरेलू प्रबंधन के लिए उपचार किट प्रदान किया गया है। इसमें टब, साबुन, तौलिया, पाउडर, क्रीम आदि शामिल हैं। साथ ही, उन्हें फाइलेरिया रोधी दवाएं भी दी गईं। इसके अलावा



मरीजों को एमएमडीपी किट के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। इस दौरान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के डॉ. रंजीत कुमार, फील्ड वर्कर विरेंद्र प्रसाद व सद्दाम हुसैन, फार्मासिस्ट नरेंद्र प्रसाद व स्टोरकीपर प्रताप सिंह समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहें।

इफेक्टेड पैर को साबुन से अच्छे से धोना है

आरबीएसके के डॉ. रंजीत कुमार ने एमएमडीपी किट के एक्सरसाइज करने के तरीकों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पहले हमें नॉर्मल पैर को धोना है। उसके बाद इन्फेक्टेड पैर को साबुन से अच्छे से धोना है। तौलिया से हलके हाथों से पोछना है। जहां कटा हुआ है सूती कपड़ा से साफ करना है और मलहम लगाना है। टब का पानी ऐसी जगह फेकना है जहां कोई बच्चा उस पानी के संपर्क में न आए। हमें प्रतिदिन एक्सरसाइज करना है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के रोगियों को अपने पांव का अधिक ख्याल रखना चाहिए। लोगों को फाइलेरिया के कारण व बचाव के प्रति सचेत किया जा रहा है। फाइलेरिया एक परजीवी रोग है। रोग का फैलाव मच्छर के काटने से फैलता है। इससे शरीर के किसी भी हिस्से में सूजन, हाइड्रोसील और हाथीपांव के रूप में प्रकट होता है।

फाइलेरिया का कोई समुचित उपचार संभव नहीं : फील्ड वर्कर सद्दाम हुसैन ने बताया, फाइलेरिया मरीजों को नियमित रूप से आवश्यक उपचार की जरूरत होती है। इसके लिए मरीजों को आवश्यक दवाओं के साथ संक्रमित अंगों का पूरा ध्यान रखना पड़ता है। फाइलेरिया से ग्रसित मरीजों को दवा निःशुल्क दी जाती है। फाइलेरिया संक्रमित होने पर व्यक्ति को प्रत्येक महीने एक-एक सप्ताह तक तेज बुखार, पैरों में दर्द, जलन के साथ ही बेचैनी होने लगती है। एक्यूट अटैक के समय मरीज के पैर को साधारण पानी में डुबाकर रखना चाहिए या भीगे हुए धोती या साड़ी को पैर में अच्छी तरह से लपेट कर रहना चाहिए। फाइलेरिया का कोई समुचित उपचार संभव नहीं है। हालांकि शुरूआती दौर में बीमारी की पहचान कर इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए संक्रमित व्यक्ति को फाइलेरिया ग्रसित अंगों को पूरी तरह स्वच्छ पानी से साफ करना चाहिए।

दहेज में बाइक की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगा रहे मायके वाले

भोजपुर में विवाहिता का ससुराल में मिला शव, गला घोंट हत्या का आरोप

- विवाहिता की लाश छोड़ घर से फरार ससुराल के अन्य लोग
- घटना की छानबीन में जुटी पुलिस जता रही खुदकुशी की आशंका

केटी न्यूज/आरा



मृतका की शादी की फाइल फोटो

जिले के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपांती गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता की हत्या किये जाने की घटना सामने आयी है। गुरुवार की सुबह घर से उसका शव बरामद किया गया है। उसके गले पर काला निशान भी मिला है। उससे विवाहिता द्वारा खुदकुशी किये जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मायके वाले दहेज के लिए गला घोंट हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। मृतका पीपरपांती गांव निवासी धर्मेंद्र प्रसाद की 22 वर्षीय पत्नी मोनिका देवी थी। उसकी शादी पिछले साल सात दिसंबर को हुई थी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर, बड़हरा थाना क्षेत्र के गांव निवासी विवाहिता के दादा उमेश प्रसाद ने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद से ही मोनिका के पति सहित अन्य ससुराल वालों द्वारा दहेज में बाइक का मांग की जाने लगी थी। उसे लेकर उन लोगों द्वारा अक्सर मोनिका को प्रताड़ित भी किया जाता था। बीस दिन पूर्व ही उसका पति धर्मेंद्र प्रसाद काम करने के लिए दिल्ली चला गया।

इसी बीच गुरुवार की सुबह गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा मोनिका के पिता पारसनाथ को फोन कर बताया गया है उनकी बेटी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है। उसकी सूचना पर वेलोग पीपरपांती गांव पहुंचे। वहां देखा कि मोनिका का शव जमीन पर पड़ा है। घर में सिर्फ उसकी सास है, जबकि अन्य सदस्य घर से फरार हैं। उन्होंने दहेज में बाइक की मांग को लेकर ससुराल वालों पर गला घोंट कर मोनिका की हत्या करने का आरोप लगाया है। इधर, पुलिस खुदकुशी की आशंका जता रही है। पुलिस की ओर से तैयार मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार महिला की मौत फांसी लगने के कारण मृत्यु होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस अपने स्तर से मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि विवाहिता के माता-पिता और भाई दिल्ली में काम करते हैं। उसके परिवार में मां आशा देवी, बहन ज्योति, मंतुरण और भाई कुणाल कुमार है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

एक दिन पहले घर से गायब बुजुर्ग की छेर नदी से मिली लाश, पानी में डूबने से हुई मौत

आरा। भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुलौर गांव स्थित छेर नदी में डूबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गयी। मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी स्व. सोना मुसहर का 60 वर्षीय पुत्र झगरू मुसहर थे। वह बुधवार की दोपहर से घर से गायब थे।

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बुजुर्ग के बेटे तेतर मुसहर ने बताया कि वह बुधवार की दोपहर घर से खाने के बाद बाहर निकले थे। देर शाम तक वह घर नहीं लौटे। उसके बाद काफी खोजबीन की गयी, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। गुरुवार की सुबह स्थानीय लोगों ने उनके शव को दुलौर गांव स्थित छेर नदी में पड़ा देखा और सूचना दी। उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। बताया जाता है कि बुजुर्ग के परिवार में पत्नी फुलवासो देवी पांच पुत्री और तीन पुत्र हैं। बुजुर्ग की मौत से घर में रोना-धोना मचा है।

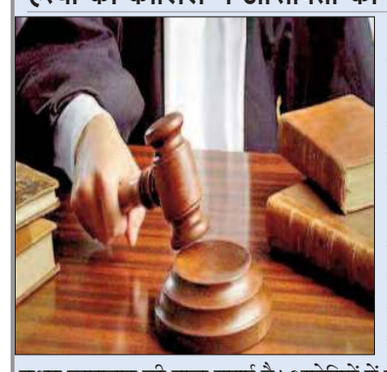
एक नजर

बिजली के तार के साथ दो गिरफ्तार, टेम्पो जब्त



जहानाबाद। जिले के टेहटा ओपी की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भारी संख्या में बिजली का तार बरामद किया है। साथ ही एक टेंपो को भी जप्त किया है। दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए ओपी अध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी के कुर्था बाजार स्थित चंद्रशेखर प्रसाद के कबाड़ की दुकान से भारी संख्या में एक टेंपो पर बिजली का अल्युमिनियम तार दाद कर टेहटा की ओर जा रहा है। जिसके बाद टेहटा ओपी की पुलिस ने मेला रोड में एएसआई संजय सिंह के नेतृत्व में वाहन जांच लगाया। जिसमें डल्ला नुमा टेंपो पर लदा बिजली का अल्युमिनियम तार मिला। पुलिस ने टैंपू को जब्त करते हुए मालिक सह ड्राइवर बिट्टू कुमार एवं तार का खरीदार सोनू कुमार को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनकी निशानदेही पर कबाड़ दुकानदार चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों लोगों का कोरोना जांच करा कर उसे जेल भेजा गया।

हत्या की कोशिश में आरोपितों को 10 साल की सजा



जहानाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ राकेश कुमार सिंह ने जान मारने के नियत से बंदूक के कुंदा एवं पेट में गोली मारने के आरोप में पाली थाना टिमपुर गांव निवासी जय यादव, रामानंद यादव, कुणाल यादव एवं बबलू यादव को दोषी पाते हुए धारा 307 में दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोपितों में प्रत्येक को पांच पांच हजार रुपए अर्थ दंड, धारा 324 में दो वर्ष, धारा 347 में एक एक वर्ष एवम एक एक हजार रुपए अर्थ दंड, एवम अभियुक्त कुणाल यादव को 27आर्म्स एक्ट में दोषी पाते हुए तीन वर्ष सश्रम कारावास एवम पांच हजार रुपया अर्थ दंड की सजा सुनाई, अर्थ दंड की रकम नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। लोक अभियोजक सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि इस केस के सूचक ग्राम टीमल पुर निवासी अखिलेश प्रसाद ने पाली थाना कांड संख्या 18/2008 प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था की 21मार्च 2008 को सभी अभियुक्त गण अन्य छः अभियुक्तों के साथ आए और अभियुक्त के भाई मिथलेश यादव को जय यादव रायफल की कुंदा से सर पर मारकर जख्मी कर दिया, रामानंद यादव के आदेश पर कुणाल यादव ने सूचक के भाई मिथलेश यादव पर गोली चला दिया जो उनके पेट में गोली लगी। सुनवाई के बाद न्यायलय ने दस में से छः अभियुक्तों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया और चार को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

अल्पावास गृह में रिक्त पदों को किया जाएगा पूर्ण



जहानाबाद। डीएम रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में गुरुवार को वन स्टॉप सेन्टर एवं अल्पावास गृह की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित कर आवश्यक निदेश दिया गया। बैठक में डीएम ने आईसीडीएस डीपीओ रश्मी सिन्हा को निदेश दिया गया कि जिला अल्पावास गृह में रिक्त पदों का शीघ्र विज्ञापन प्रकाशन कर रिक्ति पूर्ण किया जाए। साथ ही, कार्यरत कर्मियों का पूर्व माह का वेतन भुगतान अवशेष राशि से करने का निदेश दिया गया। अल्पावास गृह को अच्छे से संचालित करने का निदेश डीपीओ एवं जिला समाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक माला कुमारी को दिया गया। साथ ही, नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे। अल्पावास गृह में आयी महिलाओं को शीघ्र पुनर्वासित किया जाए। वन स्टॉप सेन्टर में आये पीड़ित महिलाओं के मामलों का निष्पादन यथाशीघ्र करने तथा चिन्हित महिलाओं को समाजिक पुनर्वास कोष के तहत लाभ दिलाने का निदेश दिया गया। वन स्टॉप सेन्टर पर आने वाले महिलाओं को अच्छे से कॉउन्सलिंग करने का निदेश दिया गया। वहीं, वन स्टॉप सेन्टर-सह-महिला हेल्प लाईन में अच्छे से संचालित करने का निदेश दिया गया तथा नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे। इस दौरान वन स्टॉप सेन्टर केन्द्र प्रशासक ज्योत्सना कुमारी, परामर्शी सह आरटीओ बिनीता कुमारी उपस्थित थे।

गुप्ताधाम से लौट रहे श्रद्धालु की मौत

भभुआ। जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र के कैमूर पहाड़ी के दुर्गम घाटी पहड़ीया घाट मे एक गुप्ता धाम यात्री पहाड़ से 60 फीट नीचे गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के 14 घंटे बाद गुरुवार को कड़ी मशक्कत के बाद शव को ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने बाहर निकाला। बताते हैं कि शव लगभग 65 साल के बुजुर्ग का है और उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। नौहट्टर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि बुधवार रात लगभग 9 बजे एक व्यक्ति के पहाड़ी से नीचे गिर जाने से हो गई। अन्य यात्री जब दुर्गम घाटी एक घंटे बाद उतर कर नीचे पहुंचे, तब इस बात की सूचना आसपास के गांव में पहुंची। तब ग्रामीणों द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई। रात व दुर्गम घाटी होने के कारण पुलिस नहीं पहुंच सकी।

एडमिशन कराने के नाम पर ठगी करने वाले फ्रॉड के घर से मिला नगदी व चेक

केटी न्यूज/आरा

- 47 लाख का चेक, एक लाख नगद, डेविड व वीजा कार्ड, चार सिम और मोबाइल जब्त

मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने के नाम पर गुजरात के युवक से 26 लाख की ठगी का तार आरा से जुड़ा है। इस मामले में गिरफ्तार आरा के अबरपुर निवासी आरोपित के घर से नगदी और चेक सहित अन्य कागजात बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार फ्रॉड अली के घर 47 लाख रुपए का चेक, एक लाख एक हजार रुपए नगद, दो डेविड कार्ड, एक वीजा कार्ड, बैंक के जरिए लेनदेन के कुछ रसीद, एक आधार कार्ड, चार सिम कार्ड और एक मोबाइल बरामद किया गया है। उससे आरोपित के ठगी के किसी बड़े गिरोह से कनेक्शन होने की आशंका जताई जा रही। पुलिस उसकी जांच की जा रही है। बता दें कि गुजरात के डिंडोली पुलिस स्टेशन में पिछले साल तीस दिसंबर को ओम नगर निवासी आद्या प्रसाद की ओर से ठगी की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। उसमें कहा गया था कि एमबीबीएस में एडमिशन कराने के नाम पर उनसे कुछ लोगों द्वारा 26 लाख रुपए की ठगी कर ली गयी है। उस मामले में गुजरात पुलिस की ओर से पहले दिल्ली इलाके से चार आरोपितों को पकड़ा गया। उनसे पूछताछ में आरा के अबरपुर निवासी मो. अली का नाम आया। तकनीकी छानबीन में उसका अंतिम लोकेशन आरा बता रहा था। उस आधार पर गुजरात की डिंडोली थाने की पुलिस बुधवार को आरा पहुंची थी। तलाशी के दौरान उसके घर से नगदी और चेक सहित अन्य सामान बरामद किया गया।

सेंटर पुलिंग कोटा के नाम पर की गयी ठगी : दर्ज प्राथमिकी के अनुसार आद्या प्रसाद के बेटे प्रियांश ने 2022 में नीट की परीक्षा दी थी। उसे 225 अंक प्राप्त हुआ थे। सात दिसंबर को प्रियांश के मोबाइल पर एक अनजान कॉल आयी। कॉल करने वाली महिला थी, उसने अपना नाम भारती बताया। कहा कि विधायक एजुकेशन गुड़गांव से बात कर रही है। वह लोग अलग-अलग कॉलेज में एडमिशन कराते हैं। उसके बाद उसने अपने को झारखंड के रहने नारायण यादव बताने वाले शख्स से बात करायी। शुरू में एडमिशन कराने के लिए 55 से 60 लाख की मांग की गयी। अंत में 25 लाख पर बात तय हुई थी।

जहानाबाद में किसान सलाहकारों की चयन प्रक्रिया को पूर्ण करने को हरी झण्डी मिली

केटी न्यूज/जहानाबाद



जानकारी देते डीएम

लगभग 9 वर्षों से किसान सलाहकारों की रूकी हुई चयन प्रक्रिया को पूर्ण कर उनके चयन का रास्ता साफ हो गया है। विदित हो कि वर्ष 2014-15 में राज्य स्तर से जिले में 19 किसान सलाहकारों के चयन हेतु अभ्यर्थियों से एन.आई.सी. के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन प्राप्त कर आपत्तियों का निराकरण कराते हुए आरक्षण कोटिवार कुल 380 अभ्यर्थियों की प्रारूप मेधा सूची तैयार की गई थी।

जिसके आलोक में जिला स्तर पर काउंसलिंग एवं प्रमाण-पत्रों का सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण करते हुए रिक्ति के आधार पर कुल 19 (सामान्य वर्ग - 05, अत्यंत पिछड़ा वर्ग - 06, पिछड़ा वर्ग - 03, अनुसूचित जाति - 04, अनुसूचित जन जाति - 01 आरक्षण कोटि अंतर्गत) किसान सलाहकारों का चयन किया जाना था। एनआईसी के वेबसाईट से प्राप्त प्रारूप मेधा सूची के आलोक में 19 व 20 दिसम्बर 2014 को जिले में सलाहकारों के चयन हेतु काउंसलिंग की प्रक्रिया आरंभ की गई थी परंतु, विभाग के द्वारा जुलाई 2015 से इसे तत्काल बंद करने का निर्णय लिया गया। हाई कोर्ट में दायर वाद की सुनवाई के बाद चयन प्रक्रिया जिस स्तर पर रूकी थी उसी स्तर से प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण करने का निदेश प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में आरक्षण कोटिवार रिक्ति के आधार पर जिले में शेष कुल 19 किसान सलाहकारों के चयन की प्रक्रिया को पूर्ण करने हेतु कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। शीघ्र ही प्रारूप मेधा सूची के सभी अभ्यर्थियों की वांछित शैक्षणिक योग्यता संबधी प्रमाण-पत्रों/दस्तावजों का सत्यापन कार्य पूर्ण करने हेतु काउंसिलिंग की तिथि एवं स्थान की जानकारी एनआईसी के वेबसाईट से एसएमएस के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी।

इंटीग्रेटेड इंफोर्मेशन पोर्टल एमपीसीडीएसआर से होगी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की रियल टाइम रिपोर्टिंग

संस्थागत व घरों में होने वाले प्रसव का डाटा जमा करेंगे एमओआईसी

- सरकार ने मातृ प्रसवकालीन व बाल मृत्यु निगरानी तथा समीक्षा के लिए तैयार किया है पोर्टल

केटी न्यूज/गया



स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयासों की समीक्षा भी समय समय पर की जा रही है। इसे लेकर गुरुवार को समीक्षा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शहर के जयप्रकाश नारायण अस्पताल में किया गया। दो बैच में आयोजित होने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार तक चलेगा।

समीक्षा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में मगध प्रमंडल के सभी पांच जिला के वरीय स्वास्थ्य अधिकारी शामिल होंगे। प्रमंडल स्तर पर होने वाले इस समीक्षा मीटिंग के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के हो रहे कार्यों को लेकर आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गयी। समीक्षा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ नीता अग्रवाल तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समीक्षा मीटिंग में गया जिला के सिविल सर्जन डॉ. रंजन कुमार सिन्हा, डीपीएम नीलेश कुमार, यूनिसेफ से संजय कुमार सहित विभिन्न जिलों के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी, जिला अस्पतालों के गाइनेकोलॉजिस्ट सहित सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश कुमार ने कहा कि प्रमंडल के पांचों जिला में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य का बहुत अधिक ध्यान रखा जा रहा है। गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव, उनके तथा शिशु के शतप्रतिशत टीकाकरण पर जोर है। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने स्तर से अपने क्षेत्र में होने वाले संस्थागत तथा घरों में होने वाले प्रसव का डाटा अवश्य जमा करें। बताया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिलने से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में लगातार कमी आयी है।

पोर्टल की दी गयी जानकारी

इस दौरान डॉ नीता अग्रवाल ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु संबंधी जानकारियों को नये एमपीसीडीआर यानि मैटरनल, पेरीनेटल, चाइल्ड हेल्थ सर्विलांस एंड रिस्पांस पोर्टल पर देना जरूरी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा तैयार इस वेबसाइट का पासवर्ड सभी स्वास्थ्य संस्थानों को दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब नौ तारीख के अलावा 21 तारीख को भी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाना है।

होगी रियल टाइम रिपोर्टिंग

डॉ नीता अग्रवाल ने एमपीसीडीआर पोर्टल की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि भारत में हर वर्ष डेढ़ करोड़ से अधिक महिलाएं गर्भावस्था धारण करती हैं, और दुर्भाग्यवश इनमें से कुछ गर्भवती महिलाओं और शिशु की मृत्यु हो जाती है। इस दिशा में अक्टूबर 2019 में सुरक्षित मातृत्व आश्वासन यानि सुमन कार्यक्रम की शुरूआत की। सुमन योजना का एक प्रमुख उद्देश्य मातृ एवं एक वर्ष तक के शिशुओं के मृत्यु संबंधित रिपोर्टिंग और समीक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण करना है।

खबरें फटाफट

शहरी इलाके से भारी मात्रा में शराब बरामद

डुमरांव। डुमरांव के निमेज टोला मुहल्ले से गुरुवार को पुलिस ने भारी मात्रा में शराब बरामद करने में सफलता पायी है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर किया गया। हालांकि कारोबारी पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहा। इस दौरान पुलिस ने चिन्हित मकान से 300 पीस अंग्रेजी शराब बरामद किया है। धंधेबाज की पहचान निमेज टोला के मो अजमेर के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष बिंदेश्वर राम ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि निमेज टोला में बड़े पैमाने पर शराब की खेप मंगायी गयी है। सूचना मिलते ही एक टीम गठित कर चिन्हित ठिकाने पर छापेमारी की गई। जहां से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। संवाद संप्रेषण तक शराब की बोतलों की गिनती चल रही थी। दूसरी ओर, थानाध्यक्ष ने कहा कि फरार कारोबारी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताते चलें कि अनुमंडल में दियारा इलाके से लगातार शराब की अवैध तस्करी की जा रही है। जिसे रोकने के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है।

सब्जियों से लदी ट्रैक्टर चोरी

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के धरहरा बाजार के समीप से सब्जियों से लदी एक टैज्क्टर चोरी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार धरहरा गांव के किसान लक्ष्मीकांत सिंह स्वराज कंपनी की अपनी टैज्क्टर के टाली पर रात में अपने खेत से टमाटर तोड़ लोड किए थे। रात होने के कारण वे टमाटर लदी ट्रैक्टर को खेत में ही छोड़ दिए थे। जिसे अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है। इस संबंध में ट्रैक्टर मालिक ने स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, घटना के बाद लोगों में चौकन्ने हो गए हैं।

पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दे रहा नगर परिषद कार्यालय की पेंटिंग

केटी न्यूज/बक्सर

- कार्यालय की दीवारों पर उकेरे गए पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण व स्वच्छता को बढ़ावा देने वाले चित्र



भ्रष्टाचार, लूट खसोट तथा सफाई की खानापूर्ति जैसे खबरों के बीच बक्सर नगर परिषद ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जल जीवन हरियाली की एक बेहतर तस्वीर पेश की है। यह तस्वीर नगर परिषद कार्यालय की दीवारों से सीधे लोगों के जेहन में जा रहा है। जिसे देख स्वतः ही लोगों के मन में पर्यावरण व जल संरक्षण के साथ ही स्वच्छता अभियान की भावना जागृत हो रही है। पिछले महीने 26 जनवरी को ही नगर परिषद ने इस पेंटिंग को पूरा करा जनता को समर्पित किया है। जिसमें पर्यावरण व स्वच्छता अभियान के साथ ही पौधरोपण तथा बरसात के जल को संरक्षित रखने संबंधित आकर्षक पेंटिंग बनाई गई है। नगर परिषद के इस प्रयास का यदि थोड़ा भी असर लोगों के जेहन में हुआ तो आने वाले दिनों में बक्सर नगर परिषद का इलाका बिहार का सबसे स्वच्छ व सुंदर शहर बनेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर परिषद की ईओ प्रेम स्वरूपम ने कहा कि बक्सर नप क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण व जल जीवन हरियाली योजना को धरातल पर उतराना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि यह पेंटिंग इसी उदेश्य से करवाई गई है ताकी लोग इसे देख कर प्रेरित हो। उन्होंने कहा कि बिना लोगों के सहयोग से इसे धरातल पर उतारना मुश्किल है। यही कारण है कि नगर परिषद की दीवारों से संदेश देने के साथ ही नप क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार करा लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय पर्यावरण के दृष्टि से बड़ी चुनौती वाला साबित होने वाला है। हमारी बढ़ती आबादी तथा उनकी जरूरतें हर दिन पर्यावरण को दूषित कर रही है। जिसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि हमें समय रहते इस पर ध्यान होगा। जबतक सभी लोग पर्यावरण व जल संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं होंगे तबतक इसका लक्ष्य पाना मुश्किल है। उन्होंने लोगों से सरकार व नगर परिषद के इस अभियान में शामिल होने तथा अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश केशव टाईम्स के माध्यम से दिया है।

शहर में कराया जा रहा है पौधरोपण

ईओ ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए धरातल पर स्वच्छता अभियान को उतारने के साथ ही पौधरोपण सबसे जरूरी है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने तथा उसकी देखभाल करने की अपील भी की है। ईओ ने बताया कि नप द्वारा शहर के समाहरणालय रोड तथा सर्किट हाउस रोड में पौध रोपण कराया गया है। हालांकि उन्होंने इस बात पर दुःख जताया कि कुछ शरारती तत्वों द्वारा पौधों को उखाड़ दिया रहा है। उन्होंने लोगों से इसे बचाने के लिए तत्पर रहने को कहा।

“ भूमिगत जल का स्तर तेजी से नीचे खिसक रहा है। इस जल स्तर को बनाए रखने के लिए हमें बरसात के पानी को बचाने की कला सीखना होगा। बरसाती पानी को नाले में बहाने की जगह हम उसे संरक्षित कर तथा फिर से जमीन के नीचे भेज जल संरक्षण कर सकते है। आने वाले दिनों में उन्हें पानी की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी।



– प्रेम स्वरूपम, ईओ, नगर परिषद, बक्सर

डीएम व एसपी ने कहा- शांतिपूर्ण माहौल में महाशिवरात्रि संपन्न कराएं

चिन्हित स्थलों पर पुलिस, मेडिकल टीम फायर वाहन एवं गोताखोर रहेंगे तैनात

केटी न्यूज/बक्सर

- 98 स्टैटिक को-आर्डिनेटर, 12 सेक्टर दण्डाधिकारी व 2 जोनल मजिस्टेज्ट के जिम्मे होगी विधि व्यवस्था की पूरी कमान



महाशिवरात्रि के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने हेतु जिला दण्डाधिकारी बक्सर अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा संयुक्त जिला आदेश जारी कर दिया गया है। डीएम एसपी ने कहा कि इस महापर्व पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने हेतु 98 स्टैटिक को-ऑडिनेटर, 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं दो जोनल मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

सभी प्रतिनियुक्त को-ऑडिनेटर, दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल अपने निर्धारित प्रतिनियुक्ति स्थल पर महाशिवरात्रि के पूर्व संध्या पर रात्रि 10.00 बजे से अगले दिन स्थिति सामान्य होने तक प्रतिनियुक्त रहेंगे। प्रतिनियुक्त किये गये को-ऑडिनेटर, दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को यह व्यक्तिगत जिम्मेवारी होगी कि वे अपने क्षेत्र में विधि व्यवस्था तथा साम्प्रदायिक सदभाव को बनाये रखने में तत्परता बरतेंगे तथा एक दूसरे के साथ निकट सम्पर्क रखेंगे ताकि विधि व्यवस्था बनी रहे। यदि कोई विवाद उत्पन्न हो जाय तो को-ऑडिनेटर, दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी उसे सुलझाने का अविलम्ब प्रयास करते हुए इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को देंगे। अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर एवं डुमराँव अपने-अपने कार्य क्षेत्र में भ्रमण कर आश्वस्त हो लें कि दिनांक 17 फरवरी की रात्रि 10.00 बजे से स्थिति सामान्य होने तक सभी प्रतिनियुक्त को-ऑडिनेटर, दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल अपने-अपने स्थान पर पहुँच चुके हैं अथवा नहीं।

बीडीओ को मिला बैरेकेटिंग की जिम्मेवारी : सभी बीडीओ को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रांर्गत महत्वपूर्ण स्थलों, स्नान कुण्ड आदि स्थलों पर बैरिकेडिंग कराएंगे। बक्सर एवं डुमरांव के एसडीओ स्वयं समीक्षा करते हुये महत्वपूर्ण स्थलों पर बैरिकेटिंग करवाना सुनिश्चित करेंगे। सभी बीडीओ को निर्देश दिया गया कि भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थल चिन्हित करते हुए भीड़ को नियंत्रित करने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। ब्रह्मपुर बीडीओ को निर्देश दिया गया कि ब्रह्मपुर मंदिर क्षेत्र अंतर्गत चिन्हित पार्किंग स्थल पर ही वाहन पार्किंग सुनिश्चित कराने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे। ब्रहम्पुर एवं बक्सर के बीडीओ मंदिर परिसर के बाहर अवस्थित मंच पर एक बैनर के माईक की व्यवस्था करेंगे तथा को-ऑडिनेटर की प्रतिनियुक्ति करेंगे। थानाध्यक्ष ब्रह्मपुर नगर उक्त स्थलों पर आवश्यकतानुसार चौकीदार की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे। जहाँ से महत्वपूर्ण जानकारियाँ लगातार श्रद्धालुओं के बीच में दी जाय एवं लगातार माईक के द्वारा श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने एवं क्रमानुसार दर्शन करने हेतु प्रचारित करना सुनिश्चित करेंगे। बक्सर एवं डुमरांव के एसडीओ उक्त आदेश का अनुपालन कराने हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई करेंगे एवं चिन्हित घाटों पर को-ऑडिनेटर, दण्डाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल तथा चिकित्सकर्मी, गोताखोर आदि की प्रतिनियुक्ति कराना सुनिश्चित करेंगे।

समाहरणालय में बनाया जाएगा नियंत्रण कक्ष

जिला नियंत्रण कक्ष बक्सर समाहरणालय अवस्थित जिला आपदा शाखा में चिन्हित भवन में कार्यरत होगा। जिसका दूरभाष संख्या 06183-223333 है। जिला नियंत्रण कक्ष के सम्पूर्ण प्रभार में तरणि कुमारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस बक्सर (मो0 9431005024) एवं शशि सिंह, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी बक्सर (मो0 7007680226) रहेंगी। विधि व्यवस्था के सम्पूर्ण प्रभार में दिनांक 17 से 18 फरवरी को स्थिति सामान्य होने तक बक्सर अनुमंडल का एसडीओ (9473191241), एसडीपीओ (9431800090) तथा डुमरांव अनुमण्डल के एसडीओ (9473191242) व एसडीपीओ (मो0 9431800091) अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सम्पूर्ण विधि व्यवस्था के प्रभार में रहेंगे।

एक नजर

महाशिवरात्रि पर पुलिस लाइन स्थित शिव मंदिर में होगी महादेव की प्राण प्रतिष्ठा



बक्सर। बक्सर पुलिस लाईन में बनाए गए शिव मंदिर में महादेव की प्राण प्रतिष्ठा महाशिवरात्रि के दिन वैदिक विधान से की जाएगी। इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ शुरू हो गया है। गुरूवार को पुलिस लाईन से भव्य कलश यात्रा निकाला गया। जिसमें महिला व पुरूष सिपाही बतौर यजमान अपने शिर पर कलश ले शामिल हुए थे तथा मंदिर परिसर से रामरेखा घाट तक कलश यात्रा में शामिल हो वहां से पवित्र गंगाजल लेकर पुनः मंदिर पहुंचे। बता दें कि पुलिस लाइन में हाल ही में शिव मंदिर का निर्माण कराया गया है। जहां महाशिवरात्रि को प्राण प्रतिष्ठा के बाद पुलिसकर्मियों द्वारा महादेव की पूजा अर्चना की जा सकेगी। शुक्रवार से अखंड हरिकीर्तन के साथ शनिवार को प्राण-प्रतिष्ठा किया जाएगा। बता दें कि पुलिस लाइन का निर्माण महदह में कराया गया है। पुलिस लाइन में रहने वाले सिपाहियों के द्वारा पूजा-अर्चना के लिए शिव-मंदिर का निर्माण कराया गया है। मंदिर निर्माण होने के बाद उसमें वैदिक रिति-रिवाज से प्राण-प्रतिष्ठा होनी है। इसको लेकर पुलिस लाईन में तैयारी पूरी कर ली गई है।

दो घंटे बाधित रहा ट्रेन परिचालन



बक्सर। पूर्व मध्य रेलवे दानापुर मंडल के पटना डीडीयू रेल प्रखंड पर गुरुवार को अप तथा डाउन लाइन का परिचालन 2 घंटे बाधित रहा। जिसके चलते यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विभागीय रेल सूत्रों की माने तो वाराणसी-लखनऊ रेल खंड के सुल्तानपुर में दो माल गाड़ियों के बीच आमने-सामने की हुई टक्कर के कारण वाराणसी-लखनऊ रेल खंड पर ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया। जिसके कारण डीडीयू जंक्शन पर ट्रेनों की लंबी कतार लग गई। सभी प्लेटफार्म ब्लॉक हो जाने के कारण कंट्रोलर डीडीयू द्वारा ट्रेनों को रिसीव नहीं किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में आप रूट की हावड़ा अमृतसर मेल जमानिया, विभूति एक्सप्रेस दिलदारनगर, फरक्का एक्सप्रेस भदौरा, आदि स्टेशनों पर खड़ी रही। तो वहीं डाउन रूट की श्रमजीवी एक्सप्रेस 5 घंटे विलंबित हुई, संघमित्रा एक्सप्रेस 5 घंटे जिसके कारण स्थानीय स्टेशन पर इन ट्रेनों की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों तथा ट्रेनों में सवार यात्रियों को भारी परेशानी हुई। जब रूट क्लियर हुआ तो पूर्वाहन 10 बजे के लगभग अप तथा डाउन रूट की ट्रेनों का परिचालन सामान्य हुआ तो यात्रियों ने राहत की सांस ली।

कुष्ठ रोगियों की खोज करेंगी आशा



चक्की। स्वास्थ्य केंद्र स्थित सभागार में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुष्ठ रोगियों को खोज के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अंजनी कुमार की अध्यक्षता में सभी आशा एवं पुरुष कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस क्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए आगामी 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक अभियान चलाया जाएगा और खोजी अभियान के दौरान नए मरीजों की खोज की जाएगी। इस दौरान पूर्व में चयनित मरीजों का उपचार भी किया जाएगा। इसके लिए अभियान के दौरान टीम में कार्यरत आशा व पुरुष कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि शरीर के किसी भी हिस्से में तांबा रंग जैसा दाग हो और उस दाग में सूनापन हो तो वह कुष्ठ रोग हो सकता है। कुष्ठ रोग इलाज से ठीक किया जा सकता है। प्रशिक्षण के क्रम में सभी आशा कार्यकर्ता को अभियान से पूर्व कार्य योजना बनाने की जानकारी टैली सीट भरने की जानकारी दी गई। खोजी अभियान के दौरान आशा द्वारा संदेहास्पद चर्म रोग के सत्यापन के बाद मेडिकल ऑफिसर द्वारा पुष्टि की जाएगी और उसके पुष्टिकरण के बाद रोगी का तत्काल इलाज किया जाएगा। प्रशिक्षण में स्वास्थ प्रबंधक रवि रंजन सिंहा, बीसीएम निभा कुमारी, अकाउंटेंट राजू पाठक उपस्थित थे।

पंचायतों में चला स्वच्छता अभियान

चक्की। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के द्वितीय चरण के तहत चक्की प्रखंड में चल रहे स्वच्छता ही सेवा है अभियान अंतर्गत गुरुवार को विभिन्न पंचायतों में जन जागरूकता संबंधित गतिविधियों का संचालन किया गया। इस दौरान स्वच्छता टीम द्वारा चापाकल, कुआं आदि के आस पास साफ सफाई का कार्य किया गया तथा लोगों को साफ सफाई करने के लिए प्रेरित किया गया। यह जागरूकता अभियान चक्की, चंदा आदि पंचायतों में चलाया गया है। इस दौरान स्वच्छताकर्मियों द्वारा ग्रामीणों से अपने गांव तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ सुथरा रखने तथा गांव को स्वच्छ बनाने की नसीहत दी जा रही थी।

सामाजिक विज्ञान की परीक्षा संपन्न, दोनों पालियों में कुल 327 परीक्षार्थी अनुपस्थित



बक्सर। मैट्रिक परीक्षा के तीसरे दिन सभी 28 केन्द्रों पर शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा हुई। दोनों पालियों में सामाजिक विषय की परीक्षा आयोजित हुई थी। दोनों पालियों में कुल 29 हजार 155 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। जिसमें कुल 28 हजार 827 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए एवं 327 परीक्षार्थी विभिन्न कारणों से अनुपस्थित रहे। यह परीक्षा 22 फरवरी को संपन्न होगी। सभी केन्द्रों पर कदाचारमुक्त परीक्षा होने की बात जिला प्रशासन द्वारा बताई गई है।

हालांकि पिछले दो दिनों के मुकाबले आज का विषय आसान था। जिस कारण परीक्षार्थियों के चेहरे खिले नजर आ रहे थे। जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम पाली में कुल 14496 परीक्षार्थियों के मुकाबले 14344 उपस्थित एवं 152 अनुपस्थित थे। जबकि दूसरी पाली में कुल 14658 परीक्षार्थियों में 14483 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 175 अनुपस्थित रहे। जबकि किसी भी परीक्षा केन्द्र से किसी परीक्षार्थी को निष्कासित किए जाने की जानकारी नहीं मिली है। परीक्षा केन्द्रों पर पूरे दिन दंडाधिकारी निरीक्षण करते रहे।

सड़क हादसों में पांच महिलाओं समेत आधा दर्जन जख्मी

केटी न्यूज/नावानगर



गुरूवार को नावानगर थाना क्षेत्र में हुई दो सड़क दुर्घटनाओं में पांच आशाकर्मी तथा एक युवक समेत कुल आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए है। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव विक्रमगंज हाईवे पर जितवाडीह मोड के पास एक ऑटो अनियंत्रित हो कर चाट में पलट गई। जिससे उसमें सवार पांच आशा कर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सभी जख्मी आशा कर्मियों को नावानगर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर चोट होने के चलते सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया है।

जख्मी आशाकर्मियों में सलमा बेगम, शारदा देवी, गीता देवी, मंजू देवी व पूनम देवी शामिल है। सभी जख्मी आशा कर्मी नावानगर गांव की निवासी हैं। जो सीएचसी में आयोजित बैठक में हिस्सा लेने के बाद एक ही ऑटो में बैठकर नावानगर आ रही थी। तभी ऑटो कई बार पलटी मारने के बाद नीचे गहरे चाट में चली गई। जिससे सभी आशाकर्मी ऑटो में दब गई थी। सड़क मार्ग से गुजर रहे अन्य यात्रियों ने ऑटो को सीधा किया। जिसके बाद ऑटो के नीचे दबी सभी आशाकर्मियों को बाहर निकाला। जिसके बाद सभी जख्मी को सीएचसी पहुंचाया गया। वही दूसरी घटना सोनवर्षा ओपी थाना क्षेत्र के कड़सर गांव के समीप है। यहां कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। जिसकी पहचान नावानगर थाना क्षेत्र के पनियारी गांव के कमल किशोर 29 वर्ष के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस जख्मी को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही कार व बाइक को जब्त कर जांच में जुट गई है। सोनवर्षा ओपी प्रभारी ज्ञान प्रकाश सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

केन्द्रीय कर आयुक्त ने अपने गोद लिए कन्या मध्य विद्यालय नियाजीपुर का किया निरीक्षण, जताई खुशी

यहां प्रतिभाओं की कमी नहीं, जरूरत उसे तराशन की: डॉ. यशोवर्द्धन

- विद्यालय में नहीं होने दी जाएगी संसाधनों की कमी, छात्राओं को जल्दी मिलेगी खेल सामग्री

केटी न्यूज/सिमरी



केन्द्रीय कर आयुक्त को बुके देते प्रमुख प्रतिनिधि व अन्य

दियारा क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत है उसे सलीके से तराशने की। यहां की मिट्टी काफी उर्वर है। उक्त बातें केन्द्रीय कर आयुक्त डॉ. यशोवर्द्धन पाठक ने गुरुवार को नियाजीपुर गांव स्थित कन्या मध्य विद्यालय के प्रांगण में कहीं। वे इस विद्यालय में संसाधनों तथा स्वच्छता अभियान के तहत हुए विकास कार्यों का निरीक्षण करने आए थे। बता दें कि डॉ. पाठक मूलरूप से नियाजीपुर के ही रहने वाले है तथा वे इस इस विद्यालय को गोद लिए है तथा अपने स्तर से संसाधनों को मुहैया करा रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने यहां पढ़ने वाली छात्राओं की मांग पर पेयजल, शौचालय की व्यवस्था के साथ ही चाहरदीवारी का निर्माण भी कराए है।

उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि वे तीन महीना पहले जब इस विद्यालय में पहुंच छात्राओं से बात किए थे तो छात्राओं ने विद्यालय में पेयजल, शौचालय व चाहरदीवारी का अभाव बताया था तथा कहा था कि इससे उन्हें स्कूल में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत पेयजल, शौचालय व चाहरदीवारी का निर्माण करवाए। इसके अलावे वे समय-समय पर यहां पढ़ने वाली छात्राओं को पाठ्य सामग्री, शिक्षकों को डायरी, पेन आदि उपहार स्वरूप दे उनका हौसला बढ़ाते रहते है। डा पाठक ने कहां कि जल्दी ही वे छात्राओं के लिए खेल सामग्री भी मुहैया कराएंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र के अन्य विद्यालयों में भी ऐसी व्यवस्थाएं करने जा रहे है ताकी निजी स्कूलों व सरकारी स्कूलों के बीच का अंतर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि इसके अलावे वे नियाजीपुर भोजपुर पथ का चौड़ीकरण कराने का प्रयास भी कर रहे है। ताकी लोगों को आवागमन में सुगमता हो। उन्होंने स्कूलों को संसाधन से परिपूर्ण करने के लिए समाज को भी आगे आने का आह्वान किया। कहा कि लोग यदि तत्पर रहेंगे तो सरकारी स्कूल निजी स्कूलों के मुकाबले खड़े होंगे। डॉ. पाठक ने कहां कि वे क्षेत्र में व्याप्त आर्सेनिक की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विचार कर रहे है। सिमरी प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पाठक व अंजनी पाठक के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बुके देकर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर विभाग के डॉ. निशांत कुमार, चुन्नू पाठक, महेश पाठक, पिन्टू पाठक, सोनू पाठक, राहुल पाठक समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं व ग्रामीण मौजूद थे।

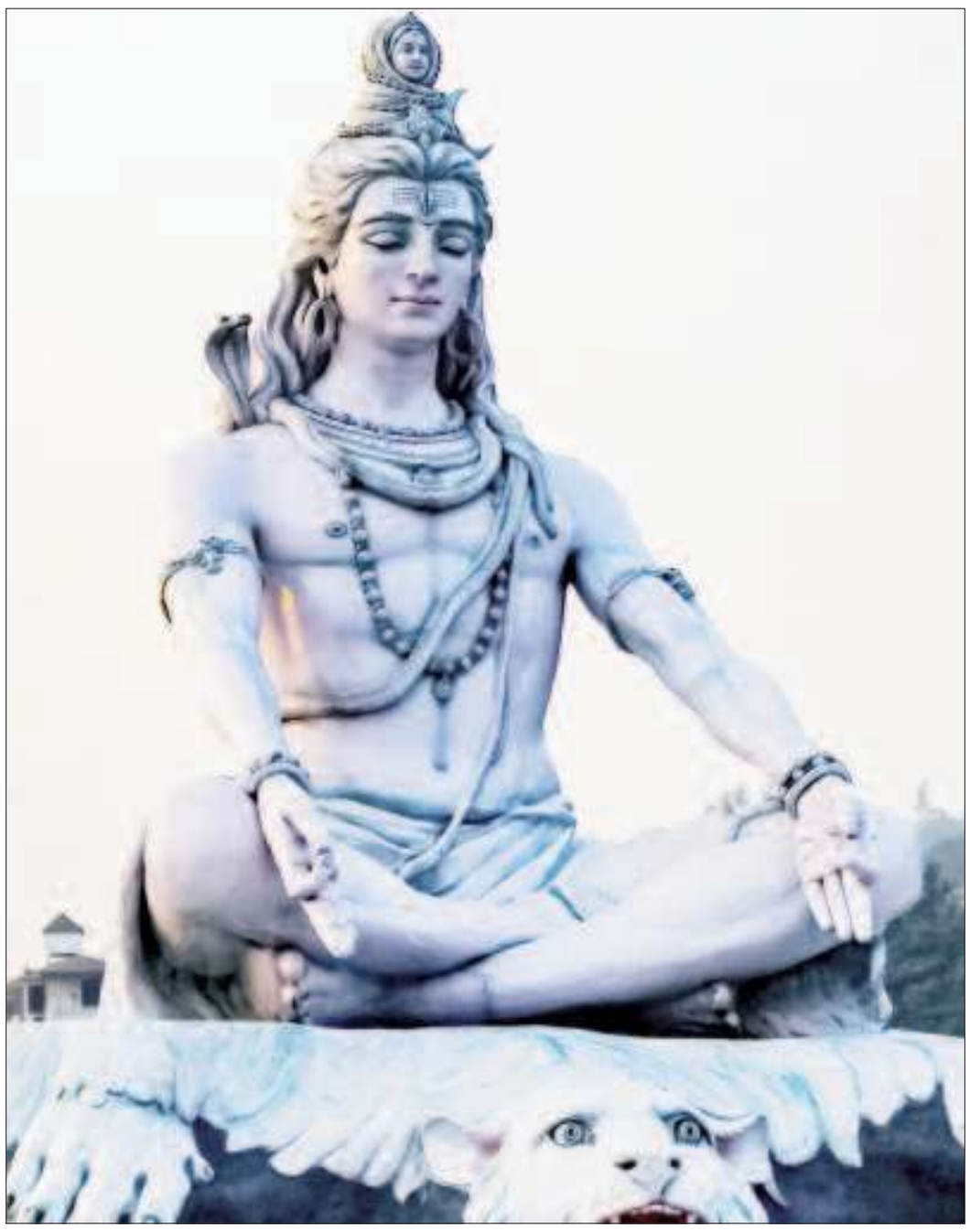
महाशिवरात्रि

कहते हैं कि महाशिवरात्रि पर किसी भी पहर अगर भोले बाबा की आराधना की जाए, तो मां पार्वती और भोले त्रिपुरारी दिल खोलकर कर भक्तों की कामनाएं पूरी करते हैं...

महाशिवरात्रि भगवान शिव के पूजन का सबसे बड़ा पर्व भी है। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। इस बार 18 फरवरी को यह पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। माना जाता है कि सृष्टि के प्रारंभ में इसी दिन मध्यरात्रि को भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की बेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त कर देते हैं, इसीलिए इसे महाशिवरात्रि अथवा कालरात्रि कहा गया। विश्वास किया जाता है कि तीनों लोकों की अपार सुंदरी तथा शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका रूप बड़ा अजीब है। शरीर पर मसानों की भस्म, गले में सर्पों का हार, कंठ में विष, जटाओं में जगत-तारिणी पावन गंगा तथा माथे में प्रलयंकार ज्वाला उनकी पहचान है। बैल को वाहन के रूप में स्वीकार करने वाले शिव अमंगल रूप होने पर भी भक्तों का मंगल करते हैं और श्री-संपत्ति प्रदान करते हैं। यह दिन जीव मात्र के लिए महान उपलब्धि प्राप्त करने का दिन भी है। बताया जाता है कि जो लोग इस दिन परम सिद्धिदायक उस महान स्वरूप की उपासना करता है, वह परम भाग्यशाली होता है।

बैल को वाहन के रूप में स्वीकार करने वाले शिव अमंगल रूप होने पर भी भक्तों का मंगल करते हैं और श्री-संपत्ति प्रदान करते हैं।

इसके बारे में संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के मुख से कहलवाया है, 'शिवद्रोही मम दास कहावा. सो नर सपनेहु मोहि नहिं भावा।' यानि जो शिव का द्रोह करके मुझे प्राप्त करना चाहता है, वह सपने में भी मुझे प्राप्त नहीं कर सकता. इसीलिए श्रावण मास में शिव आराधना के साथ श्रीरामचरितमानस पाठ का बहुत महत्व होता है। शिव की महत्ता को 'शिवसागर' में और ज्यादा विस्तृत रूप में देखा जा सकता है। शिवसागर में बताया गया है कि विविध शक्तियां, विष्णु व ब्रह्मा, जिसके कारण देवी और देवता के रूप में विराजमान हैं, जिसके कारण जगत का अस्तित्व है, जो यंत्र हैं, मंत्र हैं, ऐसे तंत्र के रूप में विराजमान भगवान शिव को नमस्कार है। दक्षिण भारत का प्रसिद्ध ग्रन्थ 'नटराजम' भगवान शिव के सम्पूर्ण आलोक को प्रस्तुत करता है। इसमें लिखा गया है कि मधुमास यानी चैत्र माह के पूर्व अर्थात फाल्गुन मास की त्रयोदशी को प्रपूजित भगवान शिव कुछ भी देना शेष नहीं रखते हैं। इसमें बताया गया है कि त्रिपथगामिनी गंगा, जिनकी जटा में शरण और विश्राम पाती हैं, त्रिलोक- आकाश, पाताल व मृत्युलोक वासियों के त्रिकाल यानी भूत, भविष्य व वर्तमान को जिनके त्रिनेत्र त्रिगुणात्मक बनाते हैं। जिनके तीनों नेत्रों से उत्सर्जित होने वाली तीन अग्नि जीव मात्र का शरीर पोषण करती हैं, जिनके त्रैराशिक तत्वों से जगत को त्रिरूप यानी आकार, प्रकार और विकार प्राप्त होता है, जिनका त्रिविग्रह त्रिलोक को त्रिविध रूप से नष्ट करता है, ऐसे त्रिवेद रूपी भगवान शिव मधुमास पूर्वा प्रदोषपरा त्रयोदशी तिथि को प्रसन्न हों।



शुद्ध मन से करें शिव की आराधना, पूरी होगी हर मनोकामना

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाना, उपवास करना विशेष फलदायी

महाशिवरात्रि पर भक्त मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर बेल-पत्र आदि चढ़ाकर पूजन करते हैं। साथ ही लोग उपवास तथा रात को जागरण करते हैं। शिवलिंग पर बेल-पत्र चढ़ाना, उपवास तथा रात्रि जागरण करना एक विशेष कर्म की ओर इशारा करता है। यह माना जाता है कि इस दिन शिव का विवाह हुआ था, इसलिए रात्रि में शिवजी की बारात निकाली जाती है। वास्तव में शिवरात्रि का परम पर्व स्वयं परमात्मा के सृष्टि पर अवतरित होने की याद दिलाता है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, स्त्री-पुरुष, बालक, युवा और वृद्ध सभी इस व्रत को कर सकते हैं। इस व्रत के विधान में सवेरे स्नानादि से निवृत्त होकर उपवास रखा जाता है। शिवरात्रि पर सच्चा उपवास यही है कि हम परमात्मा शिव से बुद्धि योग लगाकर उनके समीप रहे। उपवास का अर्थ ही है समीप रहना। जागरण का सच्चा अर्थ भी काम, क्रोध आदि पांच विकारों के वशीभूत होकर अज्ञान रूपी कुम्भकरण की निद्रा में सो जाने से स्वयं को सदा बचाए रखना है।

शिवरात्रि के पर्व पर जागरण का विशेष महत्व है. पौराणिक कथा है कि एक बार पार्वतीजी ने भगवान शिवशंकर से पूछा, 'ऐसा कौन-सा श्रेष्ठ तथा सरल व्रत-पूजन है, जिससे मृत्युलोक के प्राणी आपकी कृपा सहज ही प्राप्त कर लेते हैं?' उत्तर में शिवजी ने पार्वती को 'शिवरात्रि' के व्रत का उपाय बताया। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव हैं। अतः ज्योतिष शास्त्रों में इसे परम शुभफलदायी कहा गया है। वैसे तो शिवरात्रि हर महीने में आती है। परंतु फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को ही महाशिवरात्रि कहा गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य देव भी इस समय तक उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यन्त शुभ कहा गया है। शिव का अर्थ है कल्याण। शिव सबका कल्याण करने वाले हैं। अतः महाशिवरात्रि पर सरल उपाय करने से ही इच्छित सुख की प्राप्ति होती है।

मेष, वृष, धनु, कुंभ राशि वाले जातकों पर होगी धन की वर्षा



प्रो. मुक्तेश्वर नाथ शास्त्री, कर्मकांड केसरी, याज्ञिक सम्राट, चरित्रवन बक्सर

शनिदेव भगवान शिव के शिष्य हैं। ऐसे में शिव भक्तों पर शनि अपनी कुदृष्टि नहीं डालते और वे शनिदशा के दौरान भी शनि प्रकोप से बच जाते हैं। महाशिवरात्रि में भगवान शिव का चालीसा करने मात्र से ही शिव जी प्रसन्न होते हैं और शनिदेव की बुरे प्रभावों से बचा जा सकता है। आइये जानते हैं किन 4 राशियों के ऊपर रहेगी भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा...

1.मेष राशि: इस राशि का स्वामी ग्रह मंगल है। मंगल की उत्पत्ति भगवान शिव के कारण ही हुई इसीलिए इस मंगल की उपासना शिव के रूप में भी की जाती है। मेष राशि के जातकों पर भगवान शिव की असीम कृपा बनी रहती है। ऐसे जातक में आर्थिक तरक्की देखने को मिलेगी।

2.वृष राशि: इस राशि के स्वामी शुक्र हैं। शुक्रदेव को धन-धान्य, सुख-समृद्धि, प्यार और ऐश्वर्य का कारक माना गया है। इस शिवरात्रि में शिव के साथ मां पार्वती इस जातक पर प्रसन्न रहेंगे। ऐसे में इस जातक के लोगों को लॉटरी लगने वाली है। इनके रुके हुए सारे काम पूरे होंगे। धन लाभ का अद्भूत संयोग बन रहा है।

3.धनु राशि: इस राशि का स्वामी गुरु बृहस्पति है। भगवान शिव जगतगुरु हैं। गुरु बृहस्पति ने भी शिव कृपा से ही सुराचार्य यानी देवगुरु का पद प्राप्त किया, इसलिए ज्योतिष शास्त्रों के मुताबिक इस दिन शिव रात्रि के दिन शिवरात्रि पर 21 बिल्व पत्रों पर पीले चंदन से 'ॐ नमः शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इससे आपकी सारी इच्छाएं और मनोकामना पूरी हो सकती हैं।

4.कुंभ राशि: इस राशि के स्वामी ग्रह शनि देव है। शनि देव 30 साल बाद कुंभ राशि में आये हैं। ऐसे जातको के लिए भाग्य जगा है। कुंभ राशि के जातक के ऊपर भगवान शिव प्रसन्न रहेंगे। शिवरात्रि में जल में तिल डालकर शिवलिंग पर अर्पित करें। इस दौरान 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र जप जरूर करें।

राजा बलि ने की थी बालेश्वर शिवलिंग की स्थापना

बलिया शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित है बाबा बालेश्वर नाथ का मंदिर

बलिया। शहर के मध्य क्षेत्र में स्थापित बाबा बालेश्वर नाथ का मंदिर प्राचीन है। यहां हर वक्त श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। सावन माह में यहां भक्तों की सबसे अधिक भीड़ होती है। गंगा नदी में स्नान करने के बाद भक्त बाबा का दर्शन-पूजन व जलाभिषेक करते हैं। रुद्राभिषेक आदि के लिए आसपास के साथ ही बिहार समेत अन्य प्रांतों के भी श्रद्धालु यहां आते हैं। मंदिर का इतिहास बाबा बालेश्वर नाथ के मंदिर को सैकड़ों वर्ष पहले दियारा क्षेत्र में राजा बलि ने स्थापित किया था। गंगा की कटान की वजह से मंदिर का स्थान बदलता रहा है। वर्तमान स्थान पर मंदिर तीसरे परिवर्तन के बाद स्थापित हुआ है। यह निर्माण उस समय के विख्यात व्यापारी लक्षु भगत व बिल्लर भगत की पहल से हुआ है।

कहा जाता है, लक्षु व बिल्लर भाई थे और उनकी 52 जिलों में गद्दी चलती थी। राजा बलि की नगरी बलिया का नाम पहले बलियाग था जो बलि की राजधानी मानी जाती थी। मान्यता है कि राजा बलि महान शिवभक्त थे। उन्होंने ही ऋषि वाल्मीकि से बालू का शिवलिग बनवाकर विधि-विधान से स्थापित कराया था। जब प्राण-प्रतिष्ठा की गई तो शिवलिग पत्थर का हो गया। यह पहला मंदिर नदी में विलीन हो गया लेकिन लोगों ने शिवलिग को निकाल लिया। दूसरी बार शहर बसा तो इसे अंग्रेज मजिस्ट्रेट ने एक हिदू ब्राह्मण अधिकारी से इसे स्थापित कराया। फिर बाढ़ आई तो मंदिर के नष्ट होने की संभावना देख उस समय के पुजारी शिवदेनी भारती व अन्य लोगों ने इसे बैलगाड़ी पर रख कर वर्तमान बलिया नगर ले आए और इसे स्थापित किया, जो आज बालेश्वर मंदिर के रूप मे विख्यात है।



मंदिर की विशेषता: बालेश्वर नाथ मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था व विश्वास का केंद्र है। उस समय नगर के बीचोंबीच धनाढ्य व्यवसायी लक्षु व बिल्लर ने इसका निर्माण कराया। यहां शिवलिग की स्थापना उस समय के महान संत मौनी बाबा ने कराई। मान्यता है कि मौनी बाबा की एक लंगोटी कमर तो एक आकाश में सूखती थी। यह मंदिर इतना विशाल बना है कि यहां वर्ष पर्यत अनुष्ठान व मांगलिक आयोजन आदि होते रहे हैं।

सिद्धपीठ शिवस्थली: राजा दशरथ ने कराया था महाहर धाम का निर्माण

गाजीपुर। जिला मुख्यालय से करीब 35 किलो दूर स्थित सिद्धपीठ शिवस्थली महाहर धाम की भी एक अगल पहचान है। शिव स्थली के रूप में इसका नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उत्तरी भाग पर स्थित इस धाम पर जहां महाशिवरात्रि पर भक्तों का रेला उमड़ता है, वहीं पूरे सावन मां मंदिर परिसर घंट-घडियों की आवाज से गुंजायमान रहता है। ऐसी मान्यता है कि स्थापित शिवलिंग का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप कट जाते हैं। कहा जाता है कि इस धाम का निर्माण राजा दशरथ द्वारा करवाया गया था। यह महल दशरथ की गढ़ी के नाम से विख्यात है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार श्रवण कुमार की यहीं पर राजा दशरथ द्वारा चलाए गए तीर से मृत्यु हो गई थी। धाम के दक्षिण तरफ श्रवणडीह नाम का गांव भी विद्यमान है, जहां पहले बनाया गया श्रवण कुमार का मंदिर जीर्णशीर्ण अवस्था में पहुंच गया है। यहां शिव मंदिर अलावा भगवान हनुमान, भैरव, बाबा, संत रविदास, भगवान ब्रह्मा की चारमुखी प्रतिमा सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। तेरह मुखी मुख्य शिवलिंग के साथ ही शिव-पार्वती की युगल मूर्ति भी अद्भुत और पुजनीय है। मंदिर के सामने उत्तर-दक्षिण तरफ दिशा में एक सरोवर है, जहां हजारों साल पहले इस स्थान पर गंगा का प्रवाह था, जो अब पुरइन झील के रूप में रह गया है।



मकरध्वज राजा द्वारा की गई थी शिव मंदिर की स्थापना

गाजीपुर। सेवराई तहसील क्षेत्र के देवकली गांव स्थित अति प्राचीन शिव मंदिर आस्था का केंद्र है। दूर-दराज से श्रद्धालु आकर यहां मत्था टेकते हैं। ताड़ीघाट -बारा मार्ग पर सेवराई तहसील मुख्यालय से दो किमी तथा भदौरा रेलवे स्टेशन से तीन किमी दूर यह मंदिर स्थित है।

मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना कालांतर में बनारस के मकरध्वज राजा के द्वारा की गई थी। मंदिर के गर्भगृह में लक्ष्मी जी, गणेश जी, पार्वती जी की भी मूर्ति स्थापित है। देवकली गांव स्थित शिवलिंग स्वयं जमीन से प्रकट हुआ है इसलिए इसे स्वयंभू भी कहा जाता है। इस मंदिर में शिवलिंग भूतल से लगभग पांच फीट नीचे है, मंदिर का कपाट पश्चिम दिशा की ओर खुलता है। शाम में आरती होती है मनोकामनाओं की पूरी होने पर श्रद्धालु रुद्राभिषेक करते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुरादे अवश्य पूरी होती है। यहां पर पूजा अर्चना करने से मन को शांति मिलती है, शिव मंदिर पर प्रतिदिन पूजन अर्चन के लिए जाता हूं। यहां पूजा अर्चना से मनोकामना सिद्ध होता है बाबा की कृपा अपने भक्तों पर सदैव बनी रहती है।

बुढ़वा महादेव मंदिर: जमीन फटने के बाद हुई थी शिवलिंग की उत्पत्ति

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर क्षेत्र के असावर गांव स्थित बुढ़वा महादेव का अतिप्राचीन मंदिर लोगों के आस्था और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। इस शिवलिंग की उत्पत्ति जमीन फटकर हुई थी, जिसकी गिनती अतिदुर्लभ शिवलिंगों में की जाती है। सावन और शिवरात्रि के मौके पर भव्य मेला लगता है। ऐसी मान्यता है कि यहां मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना अवश्य पूरी होती है।

गाजीपुर-बलिया जिले की सीमा पर टोंस नदी के किनारे लट्ठडीह-रसड़ा मार्ग पर हरदासपुर से दो किलोमीटर पश्चिम और परसा-बाराचंवर-रसड़ा मार्ग पर सिउरी अमहज से एक किलोमीटर पूरब असावर गांव में बुढ़वा महादेव का मंदिर स्थित है। किंवदंतियों के अनुसार यहां पहले घना जंगल था, जहां चरवाहे अपने पशुओं को चराते थे। एक दिन तरवाहे उसी स्थान पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें थोड़ी दूर पर जमीन फटकर चमकता हुआ शिवलिंग निकलता दिखाई दिया। यह बात पूरे क्षेत्र में जंगल की आग की तरह फैल गई। लोगों के अनुसार एक चोर उस शिवलिंग को खोदने लगा। रातभर उस स्थान को खोदने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ तो चोर भागने लगे और अंधे हो गए। गलती का एहसास होने पर चोर शिवलिंग के पास पहुंचे और क्षमा-याचना करने लगे। तब जाकर उनके आंखों की रोशनी वापस आई। इसी दौरान एक व्यक्ति को स्वप्न दिखाई दिया कि हमारे ऊपर मंदिर नहीं बनना चाहिए। जब उस व्यक्ति ने स्वप्न की बात अन्य लोगों को बताई तो लोगों ने शिवलिंग के बगल में एक छोटा सा धर्मशाला का निर्माण कराया।



कामेश्वर धाम कारो: जब भगवान शिव ने गुस्से में आकर कामदेव को अपने तीसरे नेत्र से भस्म कर दिया था...

बलिया। चितबड़ागांव क्षेत्र के कारो गांव स्थित कामेश्वर नाथ मंदिर सदियों से जन आस्था एवं श्रद्धा का प्रमुख केंद्र रहा है। श्रावण मास में प्रत्येक वर्ष जलाभिषेक करने बाबा के दरबार में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार महर्षि विश्वामित्र की तपस्थली बक्सर से बाबा के भक्त गंगाजल लेकर बाबा कामेश्वर नाथ पर अर्पित करते है। बाबा के अभिषेक करने से सारी मनोकामना पूरी है।

महर्षि वाल्मीकि ने रचित रामायण में इस बात का उल्लेख है कि अपनी यज्ञ की रक्षा के लिए अयोध्या से राम व लक्ष्मण को साथ लेकर महर्षि विश्वामित्र इसी मार्ग से गुजरे थे। साथ ही एक रात इसी कामेश्वर नाथ



की तपोस्थली कामदवन में व्यतीत किए थे। बाल्मीकि रामायण के अनुसार इसी स्थान पर भगवान शिव ने उनकी तपस्या भंग करने का असफल प्रयास करने वाले कामदेव को अपने तीसरे नेत्र से भस्म किया था। बाबा कामेश्वर धाम का शिवलिंग स्वतः निकला माना जाता है। बाबा कामेश्वर नाथ मंदिर पर क्षेत्र ही नहीं बल्कि जनपद, पूर्वांचल तथा बिहार प्रांत के समीपवर्ती जनपद के लोग कामेश्वर नाथ का दर्शन अर्चन व पूजन करने आते हैं। कहा जाता है कि किसी कालखंड में यह क्षेत्र अवध राज्य के अंतर्गत आता था वहां के तत्कालीन नरेश पत्नी के साथ कामेश्वर नाथ का दर्शन पूजन करने आया करते थे। मंदिर के ठीक सामने स्थित पोखरा रानी पोखरा कहा जाता है क्योंकि अवध नरेश की रानी के स्नान करने के लिए ही राजा ने पोखरे का निर्माण कराया था।बाबा कामेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन पूजन और अभिषेक करने के लिए जो श्रद्धा स्त्री-पुरुष आते हैं उनकी सारी मनोकामनाएं अवश्य पूरी हो जाती हैं बाबा कामेश्वर के दरबार से कोई व्यक्ति खाली हाथ निराश नहीं लौटता।लंबे समय से प्रत्येक श्रावण मास में बक्सर उजियार घाट से गंगाजल भरकर कांवर के साथ पैदल तथा वाहनों के द्वारा मंदिर में जलाभिषेक करने हेतु पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा की पूरी व्यवस्था की गई है। पहले मंदिर में पहुंचने और लौटने का एक ही मार्ग था अब रानी पोखरा के उत्तरी किनारे पर भी एक मार्ग बन चुका है जो मुख्य सड़क से मंदिर को जोड़ रहा है दोनों मार्गों से श्रद्धालुओं के आने जाने की व्यवस्था है ताकि कोई किसी को किसी तरह की असुविधा ना हो सके।

भक्तों की आस्था और विश्वास का केंद्र है बारह दुअरिया मंदिर

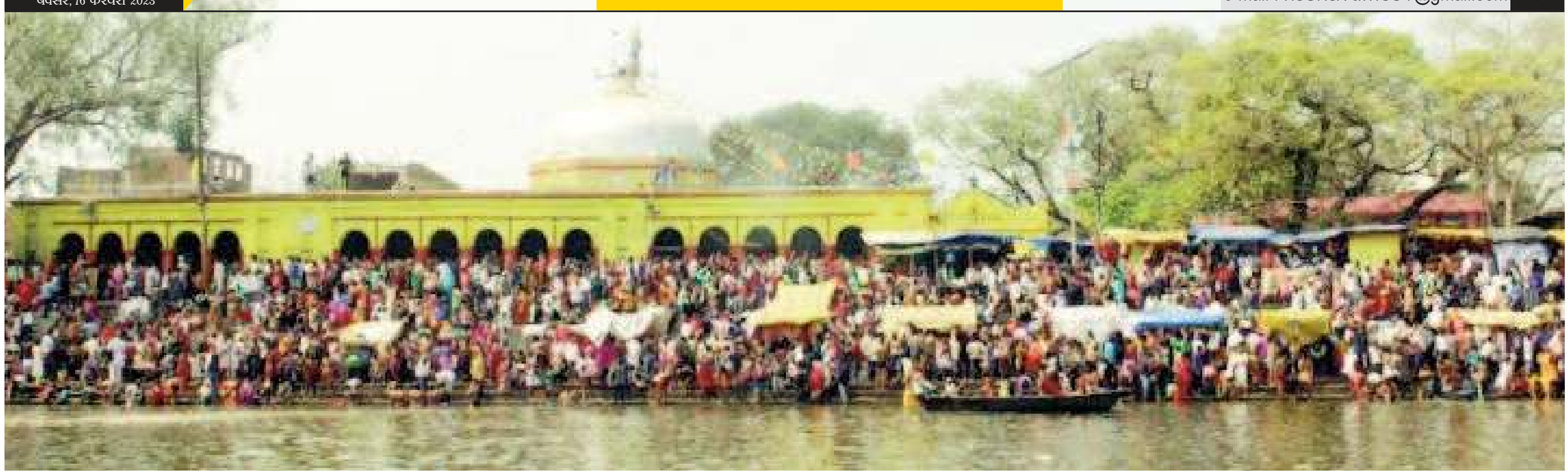
मऊ। जनपद के नौसेमर गांव में स्थित बारह दुअरिया मन्दिर भक्तों के लिए आस्था और विश्वास का केन्द्र बना हुआ। मंदिर जिला मुख्यालय और सदर ब्लाक मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर नौसेमर गांव से सटे दक्षिण-पश्चिम बहने वाली पावन सलिला तमसा नदी के तट पर स्थित है। इस पवित्र मंदिर को बरदुअरिया के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग स्थापित है और गर्भगृह में बारह दरवाजे हैं। मान्यता के अनुसार घना जंगल था जब भगवान श्रीराम, लक्ष्मण महर्षि विश्वामित्र के साथ तड़का बध के लिए बक्सर जा रहे थे। उसी समय सायंकाल रुके थे और यही भगवान शिव की आराधना पूजा किया था और एक शिवलिंग की स्थापना किया था। एक अन्य किवदंतियों के अनुसार सन 1718 में इस स्थान पर पूरा जंगल था। उक्त तमसा जल मार्ग से गाजीपुर जिले के जंगबहादुर जायसवाल नामक व्यापारी उक्त स्थान समीप पहुंचे तो नाव नदी के बीच में ही रुक गई। उनको शौच की अनुभूति होने पर वह जगह तलाश रहा था कि उसे अचानक शिवलिंग दिखाई पड़ा, शिवलिंग देखकर वह आश्चर्य चकित रह गया। फिर उसने उस स्थान पर खुदाई शुरू कर दी। खोदाई करते करते थककर व्यापारी सो



गया। स्वप्न में भगवान भोले ने अपनी प्रचंड लीला दिखाई। नींद खुलने पर हाथ जोड़ विनती कर उसे वहीं स्थापित कर दिया और मन्नत मांगी कि व्यापार में लाभ होने पर मंदिर बनाऊंगा। फिर व्यापार में खूब लाभ होने पर उसने मंदिर का निर्माण करवाया। यहां ऐसी भी मान्यता है कि बहुत पहले एक साधु आए जो सप्ताह में एक बार गाय के शुद्ध दुग्ध के खोआ का सेवन करते थे और तमसा के सतह जल पर श्रीराम नाम जाप खड़ाऊं पहनकर नदी पार कर जाते थे।

प्राचीन शिव मंदिर में लगेगा भक्तों का जमावड़ा

मऊ। कोपागंज कस्बा स्थित प्राचीन गौरीशंकर मंदिर लोगों के आस्था और विश्वास का केन्द्र बना हुआ है। गौरीशंकर शिव मंदिर मऊ जिला इस प्राचीन मंदिर में प्रतिदिन भक्तों का रेला लगता है। इस मन्दिर पर दर्शन पूजन के लिए हमेशा ही श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। मान्यता है कि यहाँ भगवान शिव की पूजा अर्चना से श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है। मन्दिर के मुख्य पुजारी चन्द्रमौलि जी ने बताया कि महाशिवरात्रिऔर सावन माह में भव्य मेला का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर भारी संख्या में शिवभक्त भगवान शिव का जलाभिषेक करते है। यहां अन्य जनपदों से श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए आते हैं।





आदि है, अंत है... शिव ही अनंत हैं

सिद्धाश्रम आध्यात्मिक नगरी है। यह बात सभी जानते हैं। इसका जिक्र जगह-जगह होता है, लेकिन ऐसा किस आधार पर कहा जाता है यह जानना हम सभी के लिए जरूरी है। वर्तमान बक्सर में अभी भी अनेक ऐसे मंदिर व स्थान हैं, जो आध्यात्मिक विरासत को अपने में समेटे हुए हैं। डुमरांव अनुमंडल मुख्यालय के प्रमुख मंदिरों में पांच शिवमंदिर हैं। जो यहां की महत्ता को बढ़ा देते हैं। इनमें सबसे प्रमुख व प्रसिद्ध मंदिर ब्रह्मपुर स्थित ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर है। साथ ही, अनुमंडल स्थित महरौरा का शिव मंदिर, कचईनिया गांव में कंचनेश्वर महादेव मंदिर, डुमरांव में जंगली नाथ बाबा का शिव मंदिर व मुंगांव गांव के मुंगेश्वर बाबा प्रमुख हैं। महरौरा व कचइनिया शिव मंदिर में शिवरात्रि के दिन विशेष मेला लगता है। वहीं, बक्सर सोहनी पट्टी में गौरी-शंकर मंदिर, रामेश्वर नाथ मंदिर व नाथ बाबा मंदिर में भी पूजन को श्रद्धालुओं का जुटान होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर केशव टाइम्स न्यूज की विशेष पेशकश...

काव नदी के रमणीक तट पर स्थित है कंचनेश्वर धाम



काव नदी के रमणीक तट तथा कंचन वन में स्थित होने के कारण कचइनियां के प्राचीन (बुढ़वा शिवमंदिर) को कंचनेश्वरधाम के नाम से जाना जाता है। यहां करीब 500 सालों पूर्व शिवलिंग स्वत: प्रकट हुआ था। लेकिन घने जंगल में होने के कारण कोई पूजा अर्चना करने नहीं जाता था। तब कलकल बहती कांव नदी की विशाल जलधारा खुद कंचनेश्वर नाथ के पांव पखारती थी। कहा जाता है कि 19 वीं सदी के अंतिम दशक में कचइनिया गांव में एक मौनिया बाबा आए थे। उन्होंने शिवलिंग में चमत्कारिक गुण देखा। जहां शिवलिंग में प्रत्यक्ष महादेव के होने का अनुभव होने पर उन्होंने गांव वालों को शिवलिंग का महत्व समझाया और वहां मंदिर बनाने का सुझाव दिया। इसके बाद घने जंगलों के बीच कंचनेश्वर का विशाल मंदिर बनवाया गया। इस जगह की महत्ता इस कारण भी बढ़ जाती है कि भू-दान आंदोलन के प्रणेता संत विनोवा भावे ने इसे अपना कर्मस्थली बनाया था तो धर्म सम्राट करपात्री जी महाराज ने यहां आधा दर्जन से अधिक यज्ञ का आयोजन किया था। मंदिर परिसर में स्थित बेल वृक्ष के नीचे श्री प्राप्ति तथा मनोकामना सिद्धि के लिए साधक तपस्या भी करते है। कुछ साल पहले कंचनेश्वरधाम की महिमा से प्रभावित हो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी यहां पूजा अर्चना करने आए थे। हर साल फाल्गुन महीने के महाशिवरात्रि के दिन मंदिर का वार्षिक पूजा आयोजित किया जाता है। जिसमें अनुमंडल सहित जिलेभर व पड़ोसी जिला रोहतास से भी श्रद्धालु पहुंचते है। इस बार भी पूर्व संध्या पर मंदिर में अखंड कीर्तन शुरू हो गया है।

जंगलीनाथ के नाम मात्र से भक्तों का होता है दुखों का नाश



जीवन की जटिलताएं जब इंसान को परेशान कर देती हैं और संकटों से उबरने का कोई उपाय नहीं सूझता, तो हताश लोगों के कदम अनायास ही जंगलीनाथ महादेव मंदिर की ओर चल पड़ते हैं। ऐसी मान्यता है कि मंदिर में सच्चे मन से आराधना करने वाले भक्तों व दीन-दुखियों का बाबा दुख दूर करते हैं। मंदिर में आज भी सुबह से शाम तक भक्तों के आने जाने का क्रम चलता रहता है। भक्त राम अवतार सिंह बताते हैं कि वर्षों पहले यह इलाका घना जंगल था। उस वक्त संत दानी बाबा जंगल में भगवान की आराधना करते थे। भगवान शिव ने संत को शिवलिंग होने का स्वप्न दिए। शिवलिंग की स्थापना कर पूजा पाठ शुरू हो गया। घने जंगल के बीच शिवलिंग होने के कारण इन्हें जंगली महादेव के रूप में प्रसिद्धि मिली। कहा जाता है कि दानी बाबा हर दिन सौ गायों के दूध से शिवलिंग का अभिषेक करते थे। उनके निधन के बाद डुमरांव राज परिवार ने मंदिर के लिए चार बीघा जमीन देकर मंदिर निर्माण का कार्य शुरू कराया था। लेकिन निर्माण के दौरान बाधाएं आने लगी। अंत में निर्माण कार्य रोकना पड़ा था। पुराने लोगों का कहना है कि उस वक्त भगवान शिव ने महाराज को स्वप्न दिया कि मेरे इजाजत के बगैर कोई काम नहीं हो सकता। हुआ ऐसा ही, निर्माण कार्य बंद कर भगवान शिव की आराधना शुरू हुई। जब भगवान शिव की इजाजत मिली, तो डुमरांव राज परिवार ने भव्य मंदिर का निर्माण कराया।

200 वर्ष पूर्व खुदाई में मिला था महरौरा का शिवलिंग, हल्दी का लेप लगाने से होती है मनोकामना पूरी



वैसे तो सावन के महीने में भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होती है। इस माह में पूजा में भांग, धतूरा, बेल पत्र, शम्मी पत्र आदि की प्रधानता होती है। लेकिन डुमरांव से सटे व कुशलपुर पंचायत में अनोखे मान्यता वाले महरौरा स्थित शिव मंदिर की परंपरा भी अलग है। यहां फाल्गुन महीने के महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा होती है तथा मनोकामना पूर्ण होने के लिए भक्त शिवलिंग पर हल्दी का लेप लगाते है। मान्यता है कि ऐसा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मंदिर के पुजारी खेदू मिश्र ने बताया कि दो सौ साल पहले तक महरौरा घने जंगलों से घिरा था। एक बार यज्ञ के लिए जंगल में कुटिया निर्माण के लिए साधुओं द्वारा सफाई करवाई जा रही थी। सफाई के दौरान ही एक खेत में खुदाई के समय यह शिवलिंग मिला था। जिसे मंदिर के स्थान पर रख पूजा शुरू हुयी। बाद में किसी ग्रामीण ने स्वप्न देखा कि भगवान शिव वहां मंदिर बनवाने को कह रहे है। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर तथा विशाल तालाब का निर्माण कराया गया। फाल्गुन शिवरात्रि को महरौरा धाम में वार्षिक पूजा होती है तथा एक विशाल मेले का आयोजन भी किया जाता है। पंडित श्री मिश्र की मानें तो शिवलिंग पर हल्दी का लेप लगाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है।

मूंग की आकृति के कारण नाम पड़ा मुंगेश्वरनाथ



अनुमंडल मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित मुंगाव का मुंगेश्वरधाम की छटा व मान्यता भी कम निराली नहीं है। यहां के शिवलिंग का आकार मूंग की तरह है। यही कारण है कि मंदिर का नाम मुंगेश्वरधाम पड़ा। मंदिर के पुजारी रामाशंकर दूबे ने बताया कि आज जहां मुंगेश्वरधाम का शिवमंदिर है वहां डेढ़ सौ साल पहले मूंग की आकृति का शिवलिंग अपने आप प्रकट हुआ था। ग्रामीणों ने जमीन के नीचे शिवलिंग देख उसे उपर करना चाहा। लेकिन जब ग्रामीण शिवलिंग की खुदाई करने लगे तो लिंग का आधार चौड़ा होते गया तथा खुदाई करने में ग्रामीण सफल नहीं हुए। तब गड्ढें में ही लिंग को छोड़ दिया गया और वहां मंदिर बनवाया गया। यहां पूजा पाठ करने वालों की मनोकामना मुंगेश्वरनाथ पूरी करते है। हर साल महाशिवरात्रि पर यह मंदिर शिव भक्तों के आकर्षण का केन्द्र रहता है।

गौरी शंकर मंदिर, जहां शिव ने लिया था अर्धनारीश्वर रूप



गौरीशंकर मंदिर जो जिला मुख्यालय के सोहनी पट्टी इलाके में विद्यमान है। इसका वर्णन ब्रह्मांड पुराण में भी है। इसी मंदिर के प्रांगण में पार्वती ने शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। जिसके कारण शिव को उनके आगे नतमस्तक होना पड़ा। भक्त वत्सल्य शिव, माता पार्वती के सम्मुख प्रकट होकर उन्हें अपनी अर्द्धांगिनी बनाया और गौरीशंकर का अस्तित्व हमारे समक्ष हुआ। मंदिर में स्थित शिवलिंग को देखने से स्पष्ट होता है कि उक्त शिवलिंग भगवान शिव एवं माता पार्वती के अर्द्धनारीश्वर रुप का व्याख्यान कर रहा है। मां गौरी प्राकृतिक रुप में हैं और जगत पिता भगवान शंकर पुरुष रूप में हैं। यहां दोनों विभूतियों का एकाकार हुआ है। बक्सर का गौरीशंकर मंदिर उस अद्वितीय क्षण का साक्षी आज भी बना हुआ है। मंदिर के परिसर में सरोवर स्थित है। जो धार्मिक दृष्टि से भी काफी महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि भादो के अमावस्या के दिन उक्त सरोवर में स्नान करने से सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। पुराणों के अनुसार यहां तपस्या के दौरान पार्वती ने एक भी पत्ता नहीं खाने का प्रण लिया। जिसके कारण पार्वती का नाम अर्पणा पड़ा। बताया जाता है कि तब यहां सरोवर हुआ करता था, मंदिर नहीं। वर्तमान समय में यह मंदिर बक्सर के सोहनी पट्टी मुहल्ले में स्थित है।

ब्रह्मा जी ने स्वयं की थी ब्रह्मेश्वर नाथ की स्थापना, मुगल शासक भी नहीं तोड़ पाए थे मंदिर



बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष शिव गोपाल पाण्डेय व उपाध्यक्ष डमरू पाण्डेय ने बताया शिवलिंग आपरूपी माना गया है। जिसका व्यख्या शास्त्रों व इतिहास में दर्ज है। मान्यता के अनुसार ब्रह्मा जी ने स्वयं यहां पर भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना की थी जिससे भोलेनाथ प्रसन्न हो प्रकट हुए थे। उसके बाद ब्रह्माजी ने गांव का निर्माण किया इसलिए इसका नाम ब्रह्मपुर है। मुगलकाल के मध्य में जब मंदिर तोड़ी जा रही थी। उसी दौरान जौनपुर का सुबेदार कासीम अली खां बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर पहुंचा। परन्तु बाबा के प्रभाव के बारे में मंदिर के पुजारियो ने बताया कि तो कासीम ने 24 घंटे का समय दिया कि अगर मंदिर का दरवाजा पुरब से पश्चिम हो जायेगा तो छोड़ देंगे। उसने मंदिर के चारों तरफ सेना का कडा पहरा भी लगा दिया था। लेकिन सुबह में उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा क्योंकि रातों-रात मंदिर का गेट पश्चिम दिशा में हो गया था। इसके बाद कासीम इसे बाबा का चमत्कार मान छोड़ कर चला गया। वास्तुशास्त्र के अनुसार मंदिर का मुख्य गेट पश्चिम की तरफ नहीं होता है। परन्तु ब्रह्मपुर शिवमंदिर का मुख्य दरवाजा आज भी पश्चिम दिशा में ही है। बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में यूपी-बिहार के विभिन्न हिस्सो से जलाभिषेक करने के लिए लाखों श्राद्धालु आते है। आधी रात से मंदिर के प्रवेश द्वार दर्शनार्थियों के लिए खोल दिए जाते है। श्रद्धालु ब्रह्म सरोवर में स्नान कर बाबा को जल चढ़ाते है।

ब्रह्मा व विष्णु के महासंग्राम को रोकने के लिए मध्य में अंत-ज्योतिर्मय स्तंभ के रूप में प्रकट हुए भोले नाथः आचार्य



आचार्य ज्योतिषचार्य नरोत्तम द्विवेदी

- सृष्टि के स्वामीत्व के आपस में भीड़े थे ब्रह्माजी व विष्णु

केटी न्यूज/ बक्सर

शनिवार के दिन महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की उपासना करने से सभी कष्ट व दु:ख दूर हो जाते हैं। साथ ही साधकों को मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस विशेष दिन पर भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग में से किसी एक के भी दर्शन करने से या सभी द्वादश ज्योतिर्लिंग का स्मरण करने से भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण हो जाती है। आचार्य ज्योतिषचार्य नरोत्तम द्विवेदी ने बताया कि शिवरात्रि का अर्थ वह रात्रि है जिसका शिवतत्त्व के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है।भगवान शिवजी की अतिप्रिय रात्रि को ''शिवरात्रि'' कहा गया है। ईशान संहिता में बताया गया हैं कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि को आदि देव भगवान श्री शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिङ्ग रुप में प्रकट हुए। इस वर्ष महाशिवरात्रि और प्रदोष दोनों एक ही दिन है। साथ ही श्रवण नक्षत्र भी है। अत: इस वर्ष की शिवरात्रि का विशेष महत्तव है।

फाल्गुन कृष्ण चतुर्दश्यामादि देवो महानिशि।
शिवलिङ्गतयोद्भूत: कोटि सूर्य समप्रभरू।।

चार प्रहर की पूजा विधान

चार प्रहर में चार बार पूजा का विधान है। इसमें शिवजी को पञ्चामृत से स्नान कराकर चन्दन, पुष्प, अक्षत से पूजा, रुद्राभिषेक, रुद्राष्टाध्यायी तथा रुद्री पाठ, वस्त्रादि से श्रृङ्गार कर आरती करनी चाहये। रात्रि जागरण पञ्चाक्षर मंत्र का जप करना चाहिये।

प्रथम आख्यान

आचार्य ज्योतिषचार्य नरोत्तम द्विवेदी के अनुसार पद्मकल्प के प्रारम्भ में भगवान ब्रह्मा जब अण्डज, पिण्डज, स्वेदज, उद्भिज एवं देवताओं आदि की श्रृष्टि कर चुके, एक दिन स्वेच्छा से घुमते हुए क्षीरसागर पहुंचे तो उन्होंने देखा भगवान नारायण शुभ्र, श्वेत सहस्रफणमौलि शेष की शय्या पर शान्त अधलेटे हुए हैं। भूदेवी, श्रीदेवी श्रीमहालक्ष्मी जी शेषशायी के चरणों को अपने अङ्ग में लिये चरण सेवा कर रही है। गरुण, नन्द, सुनन्द, पार्षद, गन्धर्व, किन्नर आदि विनम्रतया हाथ जोड़े खड़े हैं। यह देख ब्रह्माजी को अति आश्चर्य हुआ। ब्रह्माजी को गर्व हो गया था कि मैं एकमात्र श्रृष्टि का मूल कारण हूं और मैं ही सबका स्वामी, नियन्ता तथा पितामह हूं। फिर यह वैभव मण्डित कौन यहां निश्चिन्त सोया है।

आचार्य ज्योतिषचार्य नरोत्तम द्विवेदी ने कहा कि श्रीनारायण को अविचल शयन करते हुए देखकर उन्हें क्रोध आ गया। ब्रह्माजी ने समीप जाकर कहा कि तुम कौन हो उठो! देखो... मैं तुम्हारा स्वामी, पिता आया हूं। शेषशायी मन्द मुसकान से बोले कि वत्स तुम्हारा मंगल हो। आओ ,इस आसन पर बैठो। ब्रह्माजी को और अधिक क्रोध हो आया, झल्लाकर बोले-मैं तुम्हारा रक्षक, जगत का पितामह हूं। तुमको मेरा सम्मान करना चाहिये। इस पर भगवान नारायण ने कहा कि जगत मुझमें स्थित है, फिर तुम उसे अपना क्यों कहते हो!

तुम मेरे नाभिकमल से पैदा हुए हो, अत : मेरे पुत्र हो। मैं स्रष्टा, मैं स्वामी यह विवाद दोनों में होने लगा। ब्रह्माजी ने ''पाशुपत'' और श्री विष्णु जी ने ''माहेश्वर'' अस्त्र उठा लिया। दिशाएं अस्त्रों के तेज से जलने लगीं, सृष्टि में प्रलय की आशंका हो गयी थी। देवगण भागते हुए कैलाश पर्वत पर भगवान शिव के पास पहुचे। अन्तर्यामी शिवजी सब समझ गये। देवताओं द्वारा स्तुति करने पर बोले कि मैं ब्रह्मा-विष्णु के युद्ध को जानता हूं। मैं उसे शान्त करुँगा। ऐसा कहकर भगवान शिव सहसा दोनों के मध्य में अनादि,
माहेश्वर, पाशुपत दोनों अस्त्र शान्त होकर उसी ज्योतिर्लिङ्ग में लीन हो गये। यह लिङ्ग निष्कल ब्रह्म, निराकार ब्रह्म का प्रतीक है।श्रीविष्णु और श्री ब्रह्माजी ने उस लिङ्ग की पूजा अर्चना की। यह लिङ्ग फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को प्रकट हुआ तभी से आजतक लिङ्ग पूजा निरन्तर चली आ रही है।

मनोकामना पूरी के लिए ऐसे करें पूजा

आचार्य ज्योतिषचार्य नरोत्तम द्विवेदी के अनुसार शिवपुराण के कोटी रूद्रसंहिता मे बतलाया गया है कि महाशिवरात्रि के दिन पञ्चामृत से अभिषेक करने से कामना सिद्धि, व्याधि की शान्ति कुशोदक, पशु प्राप्ति दही से, लक्ष्मी प्राप्ति इक्षु रस से मधु, घृत मोक्ष हेतु, गोदुग्ध से सर्व सिद्धि,जल से ज्वर नाश, बुद्धि की जड़ता नाश हेतु शक्कर मिले दूध से अभिषेक करने से उपरोक्त फल प्राप्त होते है।

शिवरात्रि व्रत की वैज्ञानिकता तथा आध्यात्मिकता

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी तिथि मे चंद्रमा सूर्य के समीप होता है। अत: वही समय जीवनरूपी चंद्रमा का शिव रूपी सूर्य के साथ योग-(मिलन) होता है। अत: इस चतुर्दशी को शिवपूजा करने से जीव को अभीष्टम पदार्थ की प्राप्ति होती है। यही शिवरात्रि का रहस्य है ज्योतिष-शास्त्र के अनुसार प्रतिपदा आदि सोलह तिथियों के अग्नि आदि देवता स्वामी होते है। अत: जिस तिथि का जो देवता स्वामी होता है। उस देवता का उस तिथि मे व्रत पूजन करने से उस देवता की विशेष कृपा उपासक को प्राप्त होती है। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव है अथवा शिव की तिथि चतुर्दशी है महाशिवरात्रि का पर्व परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण का मङ्गलसूचक है। उनके निराकार से साकार रूप मे अवतरण की रात्रि ही महाशिवरात्रि कहलाती है। वे हमें काम,क्रोध लोभ,मोह, मत्सरादिविकारों से मुक्त करके परम सुख शांति व ऐश्वर्यादि प्रदान करते है।

खबरें फटाफट

पिकअप पलटने से चार घायल

बलिया। जिले के मनियर थाना अंतर्गत बाजार से बुरादा लेकर जा रही पिकअप छितौनी नोजा कॉन्वेंट स्कूल के सामने पलट गई। घटना गुरुवार शाम की है। जिसमें बताया जा रहा है कि पिकअप पर बुरादा लादकर बनारस किसी ईंट भट्ठे पर मजदूर लेकर जा रहे थे कि पिकअप मनियर बलिया मार्ग पर नोजा कान्वेंट स्कूल के सामने सड़क के किनारे पलट गई। पिकअप पर सवार शंकर चौबे 55 वर्ष पुत्र बैजनाथ, मोहन राजभर 35 वर्ष पुत्र महेंद्र राजभर, रामेश्वर 45 वर्ष पुत्र दशरथ, मुन्ना राजभर 35 वर्ष पुत्र पतरु चोटिल हो गए। जख्मियों को 108 नंबर एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

विद्युत सेफ्टी किट का वितरण

मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना विद्युत उपकेंद्र अंतर्गत सरया विद्युत उपकेंद्र पर गुरुवार को अवर अभियंता लालजी यादव द्वारा 11 संविदा विद्युत कर्मियों को विद्युत सेफ्टी किट का वितरण किया गया। विद्युत किट देते हुए उन्होंने कहा कि विद्युत आघात से बचने के लिए सभी लाइनमैन काम करते हुए सेफ्टी किट का प्रयोग अवश्य करेंगे इससे होने वाली दुर्घटनाओं से बचे रहेंगे और सरकार की मंशा भी यही है। इस दौरान अवर अभियंता ने विद्युत संविदा कर्मियों को हेलमेट, बेल्ट, पिलास, दास्ताना, टेस्टर इत्यादि उपकरण दिए। इस अवसर पर एसडीओ विद्युत नीरज कुमार, चंद्र भूषण यादव, राजेश सोनकर आदि विद्युत विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

अवैध अतिक्रमण पर चला बुल्डोजर

गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के विशेश्वरगंज समेत शहर के कई मोहल्लों में सड़क पर अवैध अतिक्रमण के विरोध में सरकारी बुल्डोजर गरजा। अवैध अतिक्रमण को लेकर अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। सड़क पर अतिक्रमण करने वाले लोगों द्वारा खुद अतिक्रमण को खाली करने में जुट गए, जो तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है। दरअसल जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देश पर सदर तहसीलदार अभिषेक कुमार और ईओ नगरपालिका लालचंद सरोज के नेतृत्व में अन्य अधिकारी, कर्मचारियों के साथ भारी फोर्स की मौजूदगी में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान सड़क के किनारे बहुत सारे दुकानदारों के द्वारा सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण को खुद अपने हाथों से हटाते हुए भी नजर आए। लंका पर बुल्डोजर से अतिक्रमण को हटाया गया। शहर के तमाम सड़कों की पटरियों पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया जा रहा है। इससे पहले जिला प्रशासन द्वारा कब्जेदारों से स्वयं अपना अतिक्रमण हटाने की अपील की गई थी। जिन लोगों ने चेतावनी को नजरअंदाज किया उनके कब्जे पर बुल्डोजर चलाया गया।

उम्र व वजन के अनुसार पुलिस कर्मियों को खिलाई गई फाइलेरिया रोधी दवा

केटी न्यूज/बलिया

♦ फाइलेरिया नेटवर्क सदस्यों ने किया सहयोग

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित सर्वजन दवा सेवन अभियान में फाइलेरिया नेटवर्क सदस्यों की मदद से गुरुवार को थाना पकड़ी के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) शत्रुघ्न कुमार के नेतृत्व में 100 पुलिस कर्मियों को उम्र व वजन के अनुसार फाइलेरिया से बचाव के लिए डीईसी और एल्बेंडाजॉल की दवा खिलाई गई। जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव ने बताया कि फाइलेरिया रोग के दुष्परिणाम 5 से 15 साल बाद दिखते हैं। शुरू में इसके कोई लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। जब यह मच्छर किसी फाइलेरिया ग्रस्त व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। जब यही मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के परजीवी रक्त के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर उसे भी फाइलेरिया ग्रस्त कर देते हैं। इस बीमारी से हाथ, पैर, स्तन और अंडकोष में सूजन पैदा हो जाती है। सूजन से फाइलेरिया प्रभावित अंग भारी हो जाता है और दिव्यांगता जैसी स्थिति बन जाती है। प्रभावित व्यक्ति का जीवन अत्यंत कष्टदायक हो जाता है। यह एक लाइलाज बीमारी है` इस बीमारी से बचाव के लिए वर्ष में एक बार पांच साल तक दवा खाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जनपद में 27 फरवरी तक फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का एमडीए राउंड चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत स्वास्थ्य टीम घर-घर जाकर एक वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों को छोड़कर सभी को फाइलेरिया से सुरक्षित रखने के लिए डीईसी और एल्बेंडाजॉल की निर्धारित खुराक अपने सामने खिला रही हैं। यह दवा किसी भी स्थिति में वितरित नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला एक संक्रामक रोग है जिसे सामान्यतः हाथी पांव के नाम से भी जाना जाता है। पेशाब में सफेद रंग के द्रव्य का जाना जिसे काईलूरिया भी कहते हैं जो फाइलेरिया का ही एक लक्षण है। इसके प्रभाव से पैरों व हाथों में सूजन, पुरुषों में हाइड्रोसील (अंडकोष में सूजन) और महिलाओं के स्तन में सूजन की समस्या आती है। फाइलेरिया होने के बाद इसका कोई इलाज नहीं है।



दवाइयां खाते पुलिसकर्मी

सबका साथ सबका प्रयास से कार्यक्रम सफल होगा

शत्रुघ्न कुमार (प्रभारी निरीक्षक थाना पकड़ी) ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार की ओर से चलाए जा रहे राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन (एमडीए) कार्यक्रम से प्रभावित हूं। फाइलेरिया रोग का निश्चित रूप से उन्मूलन होना चाहिए। इस कड़ी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से सतत प्रयास करते हुए हर नागरिक को दवा उपलब्ध कराया जा रहा है। सबका साथ सबका प्रयास से कार्यक्रम सफल होगा। भारत फाइलेरिया मुक्त हो यही हम सब का सार्थक प्रयास होना चाहिए। नरेंद्र नारायण यादव (हेड मोहर्रिर) थाना पकड़ी ने कहा कि मैंने फाइलेरिया रोधी दवा टीम के सामने ही खाई। इससे कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखने को मिला। मैं अपने सभी साथियों से कहना चाहता हूं कि जब भी आपके पास फाइलेरिया की दवा खिलाने के लिए स्वास्थ्य कार्यकताओं की टीम पहुंचे तो उनके सामने दवा जरूर खाएं।

इसी क्रम में बुधवार को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बसंतपुर मे फाइलेरिया सर्व जन दवा सेवन कार्यक्रम के तहत कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय के संरक्षण में विश्व विद्यालय स्टॉफ, स्टूडेंट, कार्मिक, सिपाही सहित 250 से अधिक लोगो को जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, डीसी पीसीआई के संजय सिंह,एमआई के सुशील यादव ने फाइलेरिया रोधी दवा डीईसी और एल्बेंडाजॉल का सेवन कराया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता पकड़ी रविता पाल, आशा अनीता देवी, पूजा तिवारी, सीफार के एफएल/वीएल कार्यक्रम के जिला समन्वयक आशीष कुमार पाण्डेय, ब्लॉक समन्वयक शुभ नाथ चौबे आदि उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा : डीएम और एसपी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा

गाजीपुर में प्रथम पाली में हाईस्कूल के हिंदी की परीक्षा में पकड़े गए 3 मुन्नाभाई

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई है। परीक्षा के पहले दिन प्रथम पाली में हाईस्कूल के हिंदी पेपर की परीक्षा में तीन मुन्ना भाई पकड़े गए। साथ में एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट से उलझकर परीक्षा में बाधा पहुंचाने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुआ है। प्रथम पाली में हाई स्कूल की परीक्षा को लेकर डीएम आर्यका अखौरी-एसपी ओमवीर सिंह खुद परीक्षा केंद्रों पर पहुंच कर चल रहे परीक्षा का जायजा लिया। इस दौरान डीएम -एसपी ने विद्यालय में चल रहे परीक्षा केंद्र के कक्ष का भी जायजा लिया और परीक्षा केंद्र में लगे सीसीटीवी और उसके ऑडियो को चेक किया। इस दौरान इस दौरान जिला अधिकारी आर्य का अखौरी ने बताया कि आज से यूपी बोर्ड की परीक्षा शुरू हुई है आज हिंदी का पहला पेपर था और 253 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शुरू है और इन सभी परीक्षा केंद्रों पर 253 स्टैटिक मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं और उसके ऊपर 35 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं और ग्यारह जोनल मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त 11 सचल दल भी लगाए गए हैं और आज सभी मजिस्ट्रेट के साथ खुद डीएम आर्यका अखौरी- एसपी ओमवीर सिंह भी सेंटर को चेक किया गया है सभी जगह सुचारू रूप से परीक्षाएं चल रही हैं। सभी के सीसीटीवी कैमरे भी सुचारू रूप से चल रहे हैं। लेकिन जिले में कई जगह ऐसे भी पाए गए जहां पर छात्रों की जगह पर दूसरा शख्स परीक्षा देते हुए पाया गया है। जखनिया, जमानिया और जेवल के एक इंटर कॉलेज में कुल तीन मुन्ना भाई को पकड़ा गया है इन सभी विद्यालयों में केंद्र व्यवस्थापक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है इस दौरान डीएम ने कहा कि कुल 3 जगहों पर नकल करते हुए छात्र पकड़े गए हैं जिनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जा रही है और एक अतिरिक्त केंद्र पर जहां स्टैटिक मजिस्ट्रेट के कार्यों में हस्तक्षेप किया जा रहा था वहां पर भी एफआईआर दर्ज कराया जा रहा है। कुल मिलाकर चार जगह पर परीक्षा की सुचिता के खिलाफ कार्य किया जा रहा था जिसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराया जा रहा है बता दें कि यूपी बोर्ड की परीक्षा को लेकर जिले में 253 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। आज प्रथम पाली में हाईस्कूल के कुल 85383 परीक्षार्थी परीक्षा देनी थी।



- हेनवा गांव के तालाब व कठार में जैविक खेती को देखेंगे मुख्यमंत्री
- जीविका दीदियां करेंगी सीएम का स्वागत

जिलाधिकारी ने चल रही बोर्ड परीक्षाओं का लिया जायजा

बलिया। जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने टाउन इंटरमीडिएट कॉलेज में चल रही बोर्ड परीक्षा का जायजा लिया । उन्होंने परीक्षा केंद्र पर कक्षों में चल रही परीक्षा और सभी कमरों में लगे हुए सीसीटीवी कैमरो की निगरानी व्यवस्था को देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा पूरी तरह नकल विहीन और कड़ी सुरक्षा के बीच हो। इस अवसर पर उन्होंने कुछ छात्रों से परीक्षा के संबंध में जानकारी हासिल की और स्कूल प्रशासन को निर्देश दिया की परीक्षा देते समय विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। परीक्षा पूरी तरह नकल विहीन हो। बताते चलें कि आज बोर्ड परीक्षा के पहले दिन प्रथम पाली में 12,245 और द्वितीय पाली में 11,793 छात्र अनुपस्थित रहे। जबकि न्यू सैनिक इंटरमीडिएट कॉलेज असना बहादुरा, बलिया परीक्षा केंद्र पर एक छात्र नकल करते हुए पकड़ा गया।

एक नजर

नंदलाल गुप्ता कांड में आरोपितों में से किसी के पास नहीं है सूदखोरी का लाइसेंस



बलिया। अधिकार सेना की टीम गुरुवार को एडीएम फाइनेंस बलिया कार्यालय गई। जहां संबंधित रजिस्टर से यह ज्ञात हुआ कि बलिया में वर्ष 2022-23 में कुल 16 लोगों को सूदखोरी का लाइसेंस दिया गया था। लेकिन किंतु जिन 18 लोगों का नाम नंदलाल गुप्ता कांड में आया है, उनमें से किसी को भी सूदखोरी का लाइसेंस प्राप्त नहीं है। इस संबंध में अधिकार सेना की टीम ने के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर के नेतृत्व में जिला मजिस्ट्रेट बलिया सौम्या अग्रवाल से मुलाकात की और उन्हें बताया कि नंदलाल गुप्ता कांड में जिन 18 लोगों के नाम प्रकाश में आए हैं उनमें किसी के पास भी सूदखोरी का लाइसेंस नहीं था। अमिताभ ठाकुर ने नंदलाल गुप्ता कांड में प्रकाश में आए सभी अभियुक्तों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में कार्यवाही करने के साथ इन सभी लोगों की संपत्तियों की गहराई से जांच कराते हुए इनके बेनामी संपत्ति पाए जाने पर उसके संबंध में ईडी और इनकम टैक्स को सूचित किए जाने का अनुरोध किया। सौम्या अग्रवाल ने कहा कि मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने सूदखोरों के खिलाफ उनके आर्थिक मामलों में भी जांच किए जाने का आश्वासन दिया। अधिकार सेना की टीम ने नंदलाल गुप्ता के परिजनों से भी मुलाकात की, जिन्होंने अब तक की गई कार्यवाही को पूरी तरह असंतोषजनक बताया और कहा कि प्रशासन मात्र आश्वासन दे रहा है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। अधिकार सेना ने नंदलाल गुप्ता के परिजनों को आश्वासन दिया कि वह अंत तक इस मामले में उनके साथ खड़े रहेंगे। टीम में स्वर्णकार संघ के सुनील सराफ के साथ अधिकार सेना के मनोज राय हंस, रितेश कुमार पांडेय, मधुसूदन श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, अशोक कुमार पत्रकार, केदारनाथ उपाध्याय, विजय वर्मा तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

बेटे की मौत की खबर सुन पिता ने तोड़ा दम



मऊ। मोहमदाबाद कोतवाली क्षेत्र के करहां बाजार में बुधवार की रात दवा लेने जाते हुए सड़क हादसे में बेटे की मौत हो गई। वहीं, बेटे की मौत की खबर सुनते ही सदमे में पिता ने भी दम तोड़ दिया। परिवार में कोहराम मच गया स्वजन बिलख उठे। एक साथ पिता-पुत्र की मौत के बाद गांव का माहौल भी गमगीन हो गया। क्षेत्र के करहां बाजार निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा (49) पुत्र राम आधार अपने पिता के लिए दवा लेने के बाद घर लौट रहे थे। जब वह घर के पास अरुण चित्र मंदिर के पास पहुंचे तो इसी दौरान पीछे से दोपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर काफी ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्हें पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया और फोन करके पुलिस को सूचित किया। कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जब इसकी जानकारी मृतक के पिता राम आधार (70) को हुई तो वह गमगीन हो गई और सदमे में आ गए। कुछ ही देर में राम आधार ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि राम आधार काफी समय से बीमार चल रहे थे। अब अचानक बेटे की मौत का सदमा वह सहन नहीं कर सकें और उनकी भी मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत होने के बाद स्वजन बिलख उठे। साथ ही गमगीन माहौल में दोनों शवों का अंतिम संस्कार किया गया। मृतक राजेंद्र विश्वकर्मा के पुत्र प्रद्युमन विश्वकर्मा ने अज्ञात के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

केटी न्यूज/बलिया



जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल ने चितबड़ागांव में ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य के शुरूआत के संबंध में क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य आगामी 27 फरवरी को केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के आगमन की तैयारियों का जायजा लेना था। माननीय मंत्री श्री गडकरी इस दिन ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य की शुरूआत अपने कर कमलों से करेंगे। जिलाधिकारी ने माननीय मंत्री के आगमन के लिए हेलीपैड के उतरने, साथ ही मंच के निर्माण और पार्किंग की व्यवस्था देखी। बताते चलें कि अनौपचारिक रूप से सूचना मिली है कि इस दिन माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आगमन जनपद में होने वाला है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर, मुख्य विकास अधिकारी प्रवीण वर्मा, अपर जिलाधिकारी राजेश सिंह के अतिरिक्त, चितबड़ागांव के ईओ अनिल कुमार उपस्थित थे।

जमीन विवाद में पूर्व प्रधान की गोली मार हत्या

केटी न्यूज/बलिया

जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के सवरा लोहटा के बीच पूर्व प्रधान को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची गड़वार पुलिस ने आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया मौत की खबर सुनते ही परिवार सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गड़वार थाना क्षेत्र के असनवार गांव के पूर्व प्रधान अपने गांव के दो लोगों के बीच जमीनी विवाद में गड़वार थाना पर गए थे।

उस मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों को 151 शांतिभंग में चालान कर दी थी। वहीं, एक पक्ष की जमानत कराने के लिए पूर्व ग्राम प्रधान गड़वार थाना क्षेत्र के असनावार निवासी सुरेश वर्मा 45 वर्ष को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष आरके सिंह ने घायल वह प्रधान को जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिवार सहित गांव में कोहराम मच गया। वहीं लोगों में मौत को लेकर तरह-तरह की चचाओं का बाजार गर्म है।



अस्पताल में जांच करते चिकित्सक

उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक अधिकारियों-कर्मचारियों को पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने किया सम्मानित

डाक अधीक्षक संजय त्रिपाठी को सर्वाधिक बचत बैंक खाते हेतु मिला सम्मान

केटी न्यूज/बलिया

आजादी का अमृतकाल में डाक विभाग द्वारा 'अमृतपेक्स प्लस' अभियान के अंतर्गत बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु सुकन्या समृद्धि योजना और वित्तीय समावेशन हेतु बचत खाते खोलने का अखिल भारतीय विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाराणसी परिक्षेत्र की अहम भूमिका रही। वित्तीय समावेशन हेतु 'एक दिन में एक करोड़' अभियान के अंतर्गत जहाँ सम्पूर्ण भारत में 34.72 लाख खाते खोले गए, वहीं वाराणसी परिक्षेत्र ने 87 हजार खाते खोलकर पूरे देश में 10वां और प्रति डाकघर औसत के आधार पर 5वां स्थान प्राप्त किया। सुकन्या समृद्धि योजना के क्रम में पूरे देश में मात्र दो दिन में 10.89 लाख खाते खोले गए और वाराणसी परिक्षेत्र में लगभग 8 हजार खाते खोले गए। डाक जीवन बीमा दिवस पर 8 करोड़ के लक्ष्य के सापेक्ष 16 करोड़ से अधिक का लक्ष्य वाराणसी परिक्षेत्र ने प्राप्त किया। इन सब उपलब्धियों के मद्देनजर वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने वाराणसी प्रधान डाकघर के सभागार में आयोजित एक समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाक अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया और उनकी हौसला आफजाई की। इस अवसर पर बलिया मंडल के 09 अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित हुए।



बलिया मंडल के अधीक्षक डाकघर संजय त्रिपाठी को 'एक दिन में एक करोड़' बचत खाता अभियान के अंतर्गत सर्वाधिक बचत बैंक खाता खोलने हेतु सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सहायक अधीक्षक, रसड़ा पी.के. पाठक, डाक निरीक्षक, केन्द्रीय बलिया रविन्द्र कुमार साह, पोस्टमास्टर बलिया प्रधान डाकघर अबुल कलाम खान, पोस्टमास्टर रसड़ा प्रधान डाकघर अक्षय कुमार, डाक जीवन बीमा विकास अधिकारी आशीष कुमार, ब्रांच पोस्टमास्टर हल्दी रामपुर डाकघर शशांक नाथ, ब्रांच पोस्टमास्टर कठारिया डाकघर, चित बड़ागाँव रामसेवक सिंह, ब्रांच पोस्टमास्टर रामगढ़ डाकघर, कोरंटाडीह प्रत्यय राय को पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने सम्मानित किया। पोस्टमास्टर जनरल द्वारा इस अवसर पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उत्साह और लगन के साथ वित्तीय वर्ष के शेष दिवसों में लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रोत्साहित किया गया।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के सदस्यों ने ली शपथ



गाजीपुर। सेंट्रल बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया गया। इसके मुख्य अतिथि मुख्य राजस्व अधिकारी सुशील लाल श्रीवास्तव ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने अधिवक्ताओं के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि चाहे जंग-ए-आजादी रही हो, चाहे आजादी के बाद देश को नई दिशा दिखाने का सवाल रहा हो, अधिवक्ताओं ने अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने अधिवक्ता समाज की प्रसंशा करते हुए कहा कि बार और बेंच सबको मिलकर वादकारियों के हित में ईमानदारी और पूरी लगन से काम करने की जरुरत है। विशिष्ट अतिथि अपर जिलाधिकारी वित्त अरुण कुमार सिंह ने भी सभी अधिवक्ताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की । नवनिर्वाचित अध्यक्ष विजय बहादुर सिंह ने कहा कि बार और बेंच के बीच समन्वय बनाने का पूरा प्रयास करुगा और अधिवक्ताओं के हक में जैसी भी जरूरत पड़ेगी संघर्ष करने का काम करुगा। अधिवक्ताओं के मान सम्मान की रक्षा हर कीमत पर करुगा। आर्डर कमेटी के चेयरमैन बालेश्वर सिंह ने भी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा किया। शपथ ग्रहण समारोह में धन्नजय सिंह, अरविंद कुमार श्रीवास्तव, अनिल सिंह,मनोज कुमार श्रीवास्तव, बृजेश सिंह, राकेश श्रीवास्तव, अनिल सिंह बागी, सत्येन्द्र सिंह, चन्द्रप्रकाश सिंह, यशवंत सिंह , रमेश राय आदि उपस्थित थे। नवनिर्वाचित महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार जताते हुए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।